मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 8 अंक 230
रविवार, 08 मार्च 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

कोटा न केवल शिक्षा का केंद्र है, बल्कि ऊर्जा का भी एक प्रमुख केंद्र है: पीएम मोदी

नई दिल्ली, 07 मार्च। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिक्षा, ऊर्जा और विरासत के केंद्र के रूप में कोटा के महत्व पर जोर दिया। समारोह के दौरान एक वीडियो संदेश में, पीएम मोदी ने कहा कि यह क्षेत्र परमाणु, कोयला, गैस और जलविद्युत सहित कई स्त्रोतों से बिजली का उत्पादन करता है। प्रधानमंत्री ने हाड़ौती क्षेत्र की समृद्ध विरासत और पारंपरिक उत्पादों की प्रशंसा करते हुए कोटा कचौरी और कोटा डोरिया साड़ियों जैसी विशिष्टताओं का विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कोटा स्टोन और सैंडस्टोन जैसी विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त सामग्रियों का भी जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि इस क्षेत्र के कृषि उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त है, और उन्होंने स्थानीय धनिया और बूंदी के बासमती चावल के निर्यात का उदाहरण दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कोटा न केवल शिक्षा का केंद्र है, बल्कि ऊर्जा का भी एक प्रमुख केंद्र है। यह एक अनूठा क्षेत्र है जहाँ परमाणु, कोयला, गैस और जल सहित लगभग सभी स्त्रोतों से बिजली उत्पन्न होती है। हाड़ौती की यह भूमि अपनी विरासत के लिए भी उतनी ही प्रसिद्ध है। कोटा कचौरी के स्वाद और कोटा डोरिया साड़ियों की भव्यता से लेकर कोटा स्टोन और सैंडस्टोन की वैश्विक पहचान तक, इस क्षेत्र ने विश्व स्तर पर अपनी छाप छोड़ी है। स्थानीय धनिये की सुगंध और बूंदी के बासमती चावल अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच चुके हैं। यह क्षेत्र अपनी मेहनत, उत्पादन और क्षमता के लिए जाना जाता है।

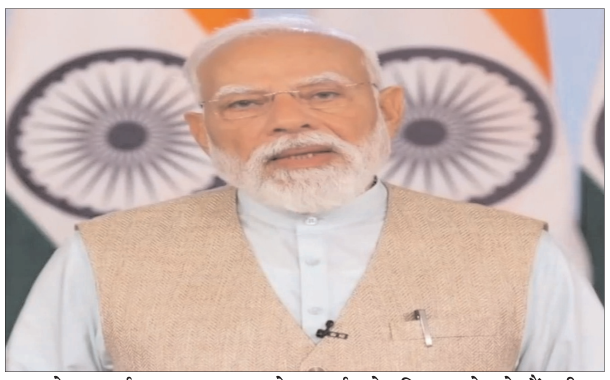

नया कोटा हवाई अड्डा इस क्षमता को कई गुना बढ़ा देगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाड़ौती क्षेत्र को शिक्षा, उद्योग, उद्यम और आस्था का केंद्र बताया और कहा कि सदियों से श्रद्धालु श्री मथुराधि जी, केशव राय पाटन और गोदावरी बालाजी धाम जैसे पवित्र स्थलों पर दर्शन के लिए आते रहे हैं। पीएम मोदी ने गराडिया महादेव से चंबल नदी के दृश्य सहित क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता का भी उल्लेख किया। उन्होंने मुकुंदरा हिल्स और रामगढ़ विषधारी जैसे वन्यजीव अभयारण्यों का भी जिक्र किया, जो इस क्षेत्र को वन्यजीव पर्यटन का एक प्रमुख केंद्र बनाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कोटा और हाड़ौती की भूमि उद्यम और आस्था का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। सदियों से, देश और दुनिया भर के श्रद्धालु श्री मथुराधी जी के पवित्र स्थान, केशव राय पाटन के तीर्थस्थल, खाड़े गणेश जी महाराज और गोदावरी बालाजी धाम के दर्शन के लिए आते रहे हैं।

गराडिया महादेव से चंबल नदी का दृश्य सभी को मंत्रमुग्ध कर देता है। मुकुंदरा हिल्स और रामगढ़ विषधारी जैसे वन्यजीव अभयारण्य इस क्षेत्र को वन्यजीव पर्यटन का एक प्रमुख केंद्र बनाते हैं।

बेहतर हवाई संपर्क से भारत और दुनिया भर से पर्यटक आएंगे, जिससे स्थानीय युवाओं, व्यापारियों और अर्थव्यवस्था को सीधा लाभ होगा।

यूएस डील से तबाह होंगे किसान: राहुल गांधी

नई दिल्ली, 07 मार्च। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अमेरिका के साथ व्यापार समझौता करके देशद्रोह करने का आरोप लगाया। उनका दावा है कि इस समझौते से भारत के किसानों और छोटे व्यवसायों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। गांधी ने ये टिप्पणियां केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशान के नेतृत्व में राज्यव्यापी पुथुयुग यात्रा के समापन समारोह का उद्घाटन करते हुए कीं। गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश को निराश किया है। उन्होंने देश के साथ विश्वासघात किया है। मेरा मानना है कि प्रधानमंत्री ने अमेरिका के साथ समझौता करके देश के साथ विश्वासघात किया है।

राहुल ने आरोप लगाया कि आम नागरिक, विशेषकर किसान और छोटे व्यवसायी, अंततः इस समझौते का बोझ उठाएंगे। उन्होंने कहा कि उनसे पहले किसी भी प्रधानमंत्री ने भारतीय कृषि को अमेरिकी कृषि के लिए नहीं खोला। राहुल ने कहा कि बड़ी और मशीनीकृत अमेरिकी कृषि

कंपनियों के भारतीय बाजार में प्रवेश से छोटे किसानों पर भारी दबाव पड़ेगा और कृषि क्षेत्र में भारी तबाही मच सकती है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि देश का ऊर्जा क्षेत्र प्रभावित हुआ है और दावा किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने समझौते के माध्यम से भारतीय डेटा प्राप्त किया है। कांग्रेस नेता ने यह भी आरोप लगाया कि मोदी ट्रम्प के इशारों पर चलते हैं और कहा कि केरल के मुख्यमंत्री भी इसी तरह मोदी के इशारों पर चलते हैं। गांधी ने कहा कि एपस्टीन की साढ़े तीन मिलियन फाइलें अभी तक सामने नहीं आई हैं। भारत के प्रधानमंत्री इस बात से भयभीत हैं कि अमेरिका उन फाइलों को जारी कर देगा। प्रधानमंत्री के करीबी अनिल अंबानी का नाम उन फाइलों में है। हरदीप पुरी का नाम भी उन फाइलों में है। हमें पूरा विश्वास है कि उन फाइलों में और भी कई नाम हैं। दूसरी ओर, अमेरिका ने अडानी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया है। प्रधानमंत्री मोदी इस बात से भयभीत हैं कि भाजपा और उनके वित्तीय मामलों का खुलासा भारत की जनता के सामने हो जाएगा। इसीलिए प्रधानमंत्री घबरा गए और उन्होंने अमेरिका-भारत समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए। अगर आप यूट्यूब पर खोजेंगे तो पाएंगे कि राष्ट्रपति ट्रंप खुलेआम भारत के प्रधानमंत्री को धमकी दे रहे हैं। वे खुलेआम कहते हैं कि वे प्रधानमंत्री मोदी का करियर बर्बाद कर सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति ट्रंप के इशारों पर चल रहे हैं। लोकसभा विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि मेरे दोस्तों, वाम मोर्चे के कार्यकताओं, एक सवाल।

ईरानी हमलों के बीच कतर ने खोला एयरस्पेस: सिर्फ इमरजेंसी फ्लाइट्स को अनुमति, हजारों उड़ानें अब भी रद्द

कतर, 07 मार्च। मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के बीच Qatar ने कई दिनों तक बंद रहने के बाद अपना एयरस्पेस आंशिक रूप से खोलने का फैसला किया है।Qatar Civil Aviation Authority ने शुक्रवार शाम घोषणा की कि सीमित क्षमता के साथ कुछ उड़ानों को निर्धारित वैकल्पिक हवाई मार्गों से संचालन की अनुमति दी गई है। यह फैसला कतर की सशस्त्र सेनाओं के साथ समन्वय के बाद लिया गया। हालांकि एयरस्पेस का आंशिक खुलना राहत का संकेत है, लेकिन स्थिति अभी सामान्य नहीं हुई है। दोहा से सामान्य वाणिज्यिक उड़ानें अभी भी निलंबित हैं। एयरलाइन ने कहा कि फंसे हुए यात्रियों को, परिवारों के साथ यात्रियों को, बुजुर्गों और मेडिकल जरूरत वाले यात्रियों को प्राथमिकता दी जाएगी कतर ने 28 फरवरी को

एहतियाती कदम के तौर पर अपना एयरस्पेस बंद कर दिया था। Qatar Ministry of Defence के अनुसार Iran की ओर से 14 बैलिस्टिक मिसाइलें और 4 ड्रोन कतर की ओर दागे गए थे। इन हमलों के बाद कतर की वायुसेना को इंटरसेप्टर मिसाइलों का इस्तेमाल कर अपने क्षेत्र की रक्षा करनी पड़ी।

युद्ध शुरू होने के बाद सेः Hamad International Airport पर 2000 से ज्यादा उड़ानें रद्द हो चुकी हैं। पूरे खाड़ी क्षेत्र में विमानन संकट युद्ध का असर सिर्फ कतर तक सीमित नहीं है।

दुबई की Emirates एयरलाइन ने कहा कि उसने शुक्रवार को ही 30,000 यात्रियों को दुबई से उड़ानों के जरिए निकाला। दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर करीब 4000 उड़ानें रद्द हुईं। अबू धाबी Zayed International Airport पर 1000 से ज्यादा उड़ानें रद्द हैं।

राहुल गांधी को अमित शाह की खुली चुनौती, बोले- आप जितना चाहें विरोध करें, हम सीएए से नागरिकता देंगे

नई दिल्ली, 07 मार्च। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को घोषणा की कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आए 200 शरणार्थियों को नागरिकता संशोधन अधिनियम के तहत नागरिकता प्रदान की गई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हिंदू शरणार्थियों को भारत में उतना ही अधिकार है जितना प्रधानमंत्री को। जन-जन की सरकारः चार साल बेमिसाल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आए लगभग 200 लोगों को नागरिकता दी गई है। जब मैंने सीएए कानून लाया था, तब कांग्रेस, सपा, बसपा, ममता बनर्जी और डीएमके समेत कई लोगों ने

इसका विरोध किया था।

अमित शाह ने कहा कि मैं आज फिर से कहना चाहता हूं कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान से आए हिंदू शरणार्थियों को देश में उतना ही अधिकार है जितना प्रधानमंत्री मोदी को है। उन्होंने आगे कहा कि तुष्टीकरण की राजनीति ने पहले उन्हें उनके अधिकारों से वंचित रखा था। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को विशेष रूप से चुनौती देते हुए कहा कि सरकार विरोध प्रदर्शनों की परवाह किए बिना नागरिकता प्रदान करने की प्रक्रिया जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि राहुल बाबा, आप चाहे जितना भी विरोध करें, हम ऐसे लोगों को नागरिकता प्रदान करेंगे।

औपनिवेशिक काल से हुए बदलावों पर प्रकाश डालते हुए गृह मंत्री ने भारत की न्याय प्रणाली में आए परिवर्तनों का भी उल्लेख किया और इस बात पर जोर दिया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के पक्ष में पुराने कानूनों को निरस्त कर दिया गया है। उन्होंने घोषणा की कि वर्ष 2028 तक सभी कानूनों का पूर्णतः कार्यान्वयन हो जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि धामी प्रशासन के चार वर्ष पूरे होने के साथ ही राज्य में भाजपा के नौ वर्ष के शासन का समय भी समाप्त हो रहा है। शाह ने उत्तराखंड के पहचान संघर्ष पर प्रकाश डालते हुए राज्य की संस्कृति के लिए संघर्ष करने वाले युवाओं की प्रशंसा की और कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर राज्य निर्माण आंदोलन के दौरान इन प्रयासों को दबाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एक समय था जब राज्य अपनी पहचान और अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहा था। उत्तराखंड की संस्कृति को बचाने के लिए यहां के युवाओं ने लड़ाई लड़ी। उस समय कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने राज्य के युवाओं का दमन किया। तत्कालीन भाजपा मंत्रियों और प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने उत्तराखंड के निर्माण के लिए काम किया।

अखिलेश यादव ने बीजेपी पर निशाना साधा

लखनऊ, 07 मार्च। समाजवादी पार्टी (एसपी) के प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को पार्टी की पिछड़े, दलित, अल्पसंख्याक विचारधारा की सराहना करते हुए कहा कि इससे समाज में सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, एसपी प्रमुख ने प्रत्येक व्यक्ति के अधिकारों और गरिमा की रक्षा करने और न्याय दिलाने के लिए पीडीए के लोगों के साथ मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

यादव ने कहा कि आने वाले समय में, पीडीए सरकार न केवल सामाजिक न्याय बल्कि सामाजिक न्याय के शासन को स्थापित करने के लिए मिलकर काम करेगी। पीडीए के लोग और समाजवादी लोग यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रत्येक व्यक्ति के अधिकार और गरिमा को सुनिश्चित किया जाए। इस बीच, यादव ने भाजपा की आलोचना की क्योंकि

बिहार के मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यसभा चुनाव 2026 के लिए अपना नामांकन दाखिल किया था। उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि जेडीयू प्रमुख प्रधानमंत्री पद से सेवानिवृत्त हों।

पत्रकारों से बात करते हुए सपा प्रमुख ने कहा, राजनीति को समझने वाले जानते थे कि भाजपा क्या कदम उठाएगी। हम चाहते थे कि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री पद से सेवानिवृत्त हों, लेकिन अब वे राज्यसभा सदस्य के रूप में सेवानिवृत्त होंगे। 2024 के आम चुनाव से पहले एनडीए में फिर से शामिल होने से पहले, नीतीश कुमार इंडिया ब्लॉक के संस्थापक सदस्यों में से एक थे और उनके समर्थक उन्हें प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार मानते थे।

केन्या में भारी बारिश से तबाही, 23 लोगों की मौत

नैरोबी। केन्या की राजधानी में शनिवार को भारी बारिश के कारण 23 लोगों की मौत हो गई, उड़ानें बाधित हुईं और हालात के मद्देनजर सेना को तैनात किया गया। नौरोबी में भारी बारिश के कारण सड़कों पर पानी भर जाने से वाहन चालक घंटों तक फंसे रहे। नैरोबी के पुलिस प्रमुख जॉर्ज सेडा ने शनिवार को बताया कि कुछ लोग डूब गए और कुछ की बिजली के करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। उन्होंने कहा कि खोज एवं बचाव अभियान जारी है और मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। सेडा ने यह भी बताया कि 100 से अधिक वाहन क्षतिग्रस्त हो गए, जिनमें से कुछ सड़क किनारे और पार्किंग स्थलों पर पलट गए।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

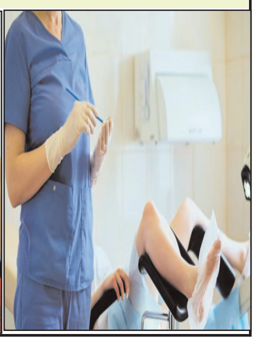

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस: 8 मार्च, 2026

नारी शक्ति का नया युग और वास्तविक चुनौतियां

-ललित गर्ग

मानव सभ्यता के विकास की कथा में यदि किसी शक्ति ने सबसे अधिक सृजन किया है, तो वह नारी शक्ति है। वह जीवन की जननी है, संस्कृति की वाहक है और समाज की संवेदनशील आत्मा है। भारतीय परंपरा ने नारी को केवल एक सामाजिक भूमिका तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे ह्यमाताह्ल के रूप में सर्वोच्च आदर दिया। मातृदेवो भवः की वाणी से लेकर जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी की घोषणा तक हमारी संस्कृति में नारी के प्रति श्रद्धा का अद्वितीय भाव दिखाई देता है। यही कारण है कि भारत में धरती, गौ और मातृभूमि तक को ह्यमाताह्ल कहकर संबोधित किया गया। किन्तु विडम्बना यह है कि जिस समाज ने नारी को देवी का दर्जा दिया, उसी समाज में आज भी नारी असुरक्षा, भेदभाव और हिंसा का सामना कर रही है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 हमें केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं देता, बल्कि यह अवसर देता है कि हम नारी की वास्तविक स्थिति का गंभीर आत्ममंथन करें। विश्व स्तर पर किए गए अध्ययनों से यह स्पष्ट होता है कि नारी की स्थिति में प्रगति अवश्य हुई है, किन्तु समानता, सुरक्षा एवं स्वतंत्रता की यात्रा अभी लंबी है। विश्व आर्थिक मंच की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 के अनुसार विश्व में लैंगिक समानता का लगभग 68.8 प्रतिशत अंतर ही समाप्त हो पाया है, अर्थात अभी भी लगभग एक तिहाई अंतर शेष है। आर्थिक भागीदारी के क्षेत्र में यह अंतर सबसे अधिक है, जहाँ समानता केवल लगभग 61 प्रतिशत तक ही पहुँची है।

वर्ल्ड इकनोमिक फोरम कि स्थिति बताती है कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में तो महिलाएँ लगभग बराबरी के स्तर तक पहुँच गई हैं, परंतु आर्थिक अवसरों और राजनीतिक नेतृत्व में अभी भी उनकी भागीदारी सीमित है। वैश्विक स्तर पर महिलाएँ कुल कार्यबल का लगभग 42 प्रतिशत ही हैं और शीर्ष प्रबंधकीय पदों पर उनकी हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई के आसपास है। भारत में भी स्थिति मिश्रित है। एक ओर भारतीय महिलाएँ अंतरिक्ष, विज्ञान, सेना, राजनीति और प्रशासन में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर श्रम बाजार में उनकी भागीदारी अभी भी कम है। हाल के आँकड़ों के अनुसार भारत में महिला श्रम भागीदारी दर लगभग 32 प्रतिशत है और बड़ी संख्या में महिलाएँ घरेलू दायित्वों के कारण रोजगार से बाहर रहती हैं। बिजनेस स्टैंडर्ड के यह आँकड़े केवल संख्या नहीं हैं, यह समाज की संरचना, सोच और अवसरों की असमानता को उजागर करते हैं। आज दुनिया के अनेक देशों में महिलाएँ राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, वैज्ञानिक, सैन्य अधिकारी और उद्योगपति के रूप में नेतृत्व कर रही हैं। भारत में भी राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, वैज्ञानिक और फाइटर पायलट के रूप में महिलाओं की उपस्थिति इस परिवर्तन का प्रमाण बनी है और बन रही है। किंतु इसके साथ यह भी सत्य है कि दुनिया में अभी भी केवल सीमित देशों में ही महिलाएँ सर्वोच्च राजनीतिक पदों पर हैं और समान वेतन का प्रश्न अभी भी अधूरा है। कई अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार महिलाओं को समान कार्य के लिए पुरुषों की तुलना में औसतन कम वेतन मिलता है। एक और चिंताजनक तथ्य यह है कि संघर्ष, युद्ध और संकट की स्थितियों का सबसे अधिक दुष्प्रभाव महिलाओं पर पड़ता है। हाल के वैश्विक अध्ययनों के अनुसार 2024 में लगभग 67 करोड़ महिलाएँ ऐसे क्षेत्रों में रह रही थीं जो किसी न किसी प्रकार के हिंसक संघर्ष से प्रभावित थे।

नये युग की समस्याएं जैसे जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आतंकवाद, गरीबी और डिजिटल असमानता भी महिलाओं के लिए नई चुनौतियाँ खड़ी कर रही हैं। यदि इन समस्याओं पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले दशकों में करोड़ों महिलाएँ और लड़कियाँ अत्यधिक गरीबी की ओर धकेली जा सकती हैं। इतिहास के पन्ने यह भी बताते हैं कि जब-जब समाज संकट में पड़ा, तब-तब नारी शक्ति ने असाधारण साहस का परिचय दिया। स्वतंत्रता संग्राम में रानी चेनम्मा, बेगम हजरत महल, रानी अवन्तीबाई, सरोजिनी नायडू और दुर्गा भाभी जैसी वीरांगनाओं ने यह सिद्ध किया कि नारी केवल करुणा की प्रतिमा नहीं, बल्कि संघर्ष और साहस की भी प्रतीक है। लेकिन इतिहास के इन गौरवपूर्ण अध्यायों के बावजूद सामाजिक वास्तविकता कई बार पीड़ादायक दिखाई देती है। दहेज, भ्रूण हत्या, घरेलू हिंसा, मानव तस्करी और यौन अपराध आज भी दुनिया के अनेक समाजों में मौजूद हैं। यह केवल कानून का नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता का प्रश्न है। दरअसल नारी समस्या का मूल कारण केवल बाहरी संरचनाएँ नहीं हैं, बल्कि वह सोच है जिसने सदियों तक नारी को कमजोर मानकर उसकी क्षमता को सीमित करने का प्रयास किया।

जब समाज नारी को केवल भूमिका से जोड़ता है, व्यक्ति के रूप में नहीं देखता, तभी असमानता जन्म लेती है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 का वैश्विक संदेश भी इसी दिशा में संकेत करता है- सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार, न्याय और वास्तविक कार्रवाई। यह संदेश हमें याद दिलाता है कि आज भी दुनिया में महिलाओं को पुरुषों के समान कानूनी अधिकार पूरी तरह प्राप्त नहीं हैं और औसतन उन्हें पुरुषों के मुकाबले लगभग 64 प्रतिशत ही कानूनी अधिकार प्राप्त हैं। संयुक्त राष्ट्रसंघ कि यह स्थिति हमें सोचने के लिए बाध्य करती है कि केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन कानूनों को सामाजिक चेतना में बदलना भी आवश्यक है। नारी सशक्तिकरण का वास्तविक अर्थ केवल अधिकार देना नहीं है, बल्कि अवसर, सम्मान और निर्णय लेने की स्वतंत्रता देना है। शिक्षा, स्वास्थ्य, डिजिटल साक्षरता, आर्थिक स्वावलंबन और राजनीतिक भागीदारी, ये पाँच स्तंभ नारी सशक्तिकरण की वास्तविक नींव हैं। परंतु इस परिवर्तन की शुरूआत घर से ही होगी। यदि परिवार में बेटी और बेटे को समान अवसर मिलते हैं, यदि शिक्षा में भेदभाव समाप्त होता है, यदि विवाह और दहेज जैसी कुप्रथाओं को समाज स्वयं अस्वीकार करता है, तभी नारी की वास्तविक मुक्ति संभव है।

महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। चाहे उज्वला योजना के द्वारा उन्हें गैस सिलिंडर दिलाना हो, गावों में घरों और शौचालय का निर्माण हो या नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संसद में पास कराना। आज दुनिया के सभी देश इस बात को मान रहे है की मोदी के नेतृत्व में भारत की महिलाएं बहुत आगे बढ़ रही है। खेल जगत से लेकर मनोरंजन जगत तक और राजनीति से लेकर सैन्य व रक्षा तक में महिलाएं बड़ी भूमिका में हैं। बात भारतीय या अभारतीय नारी की नहीं, बल्कि उसके प्रति दृष्टिकोण की है। आवश्यकता इस दृष्टिकोण को बदलने की है, जरूरत सम्पूर्ण विश्व में नारी के प्रति उपेक्षा एवं प्रताड़ना को समाप्त करने की है। इस दिवस की सार्थकता तभी है जब महिलाओं को विकास में सहभागी ही न बनाये बल्कि उनके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौंचने की वीभत्सताओं एवं त्रासदियों पर विराम लगे, ऐसा वातावरण बनाये।

नारी को भी अपने भीतर की शक्ति को पहचानना होगा। इतिहास गवाह है कि जब नारी ने अपने आत्मबल को पहचाना है, तब समाज की दिशा बदल गई है। शिक्षा और आत्मविश्वास नारी के लिए वही भूमिका निभाते हैं जो प्रकाश अंधकार के लिए करता है। आज की नारी केवल अधिकारों की मांग करने वाली नहीं, बल्कि परिवर्तन की निमार्ता है। वह विज्ञान में शोध कर रही है, आकाश में विमान उड़ा रही है, संसद में कानून बना रही है, और समाज में नेतृत्व कर रही है। फिर भी हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि नारी सम्मान का प्रश्न केवल महिलाओं का नहीं, बल्कि पूरे समाज की सभ्यता का प्रश्न है। जिस समाज में नारी सुरक्षित, सम्मानित और आत्मनिर्भर होती है, वही समाज वास्तव में विकसित और मानवीय कहलाता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का वास्तविक संदेश यही है कि नारी को सम्मान देने का कार्य केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि पूरे वर्ष की सामाजिक चेतना होना चाहिए। जब समाज यह स्वीकार कर लेगा कि नारी केवल परिवार की आधारशिला नहीं, बल्कि भविष्य की निमार्ता है, तब वह दिन दूर नहीं होगा जब नारी सशक्तिकरण शब्द की आवश्यकता ही समाप्त हो जाएगी-क्योंकि नारी स्वाभाविक रूप से सशक्त होगी और तब शायद दुनिया सचमुच उस आदर्श को जी पाएगी, जिसे भारतीय संस्कृति ने हजारों वर्ष पहले कहा था-यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता।

क्यों हो रही है योगी की छवि धूमिल करने की राजनीति

-अजय कुमार

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव इन दिनों मोदी-योगी और बीजेपी के तमाम नेताओं के खिलाफ अपनी तीखी भाषा और तंज भरी शैली के चलते राजनीतिक हलकों में छाए हुए हैं। वे लगातार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते रहते हैं, ठीक वैसे ही जैसे कांग्रेस के राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोलते हैं। अखिलेश, सीएम योगी की छवि को धूमिल करने के लिए हर मौके को हथियार बनाते हैं। योगी की वेशभूषा पर सवाल उठाते हैं तो उनकी क्षमता पर भी चोट करते हैं। उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था की तारीफ देश-दुनिया कर रही हो, अखिलेश उसी पर तंज कसते हैं। भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हैं, निवेश प्रयासों का मजाक उड़ाते हैं। यहां तक कि योगी के विदेश दौरों को भी निशाने पर लेते हैं। वे उपमुख्यमंत्रियों केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक के बीच कलह की अफवाहें फैलाते हैं। उन्हें सौ विधायक लाने और मुख्यमंत्री बनने का प्रस्ताव देते रहते हैं। अब तो यह भी कह रहे हैं कि 2027 का विधानसभा चुनाव नहीं होगा, बल्कि 2029 का लोकसभा चुनाव ही होगा। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के बहाने भी योगी पर प्रहार कर रहे हैं। ये सारी बातें अखिलेश की रणनीति का हिस्सा लगती हैं, जो योगी सरकार को कमजोर दिखाने पर तुली हुई हैं।

खैर, राजनीति में बयानबाजी का यह खेल पुराना है, लेकिन अखिलेश इसे एक कला बना चुके हैं। वे हर सार्वजनिक मंच पर योगी को निशाना बनाते हैं। योगी जब भी कोई नया कदम उठाते हैं, अखिलेश तुरंत उस पर सवाल खड़े कर देते हैं। मसलन, योगी के विदेश भ्रमणों को वे व्यर्थ बताते हैं। कहते हैं कि ये दौरें केवल दिखावा हैं, असल में प्रदेश का विकास रुका हुआ है। निवेश सम्मेलनों का भी वे मजाक उड़ाते हैं। दावा करते हैं कि ये सब आंकड़े काल्पनिक हैं, जमीन पर कुछ नहीं हो रहा। कानून व्यवस्था पर तो उनकी बोलचाल में सबसे ज्यादा तीखापन आता है। योगी सरकार जब अपराध पर सख्ती की बात करती है, अखिलेश पुराने आंकड़े निकालकर हमला बोलते हैं। कहते हैं कि अपराधी अभी भी खुले घूम रहे हैं, पुलिस की कार्रवाई केवल नाम की है। भ्रष्टाचार के आरोप तो वे रोजमर्रा की बात की तरह लगाते हैं। विभागों पर भ्रष्टाचार का ठप्पा लगाते हैं,अधिकारियों को निशाना बनाते हैं। योगी की वेशभूषा पर तंज कसना उनका पुराना शगल है। भगवा वस्त्रों को लेकर व्यंग्य करते हैं, कहते हैं कि यह आडंबर है, असली सेवा जमीन पर दिखानी चाहिए। इन तमाम हमलों से योगी की साफ-सुथरी छवि पर ग्रहण लगाने की कोशिश साफ झलकती है।

अखिलेश की रणनीति में उपमुख्यमंत्रियों को शामिल करना नई चाल है। वे केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक के बीच दरार की कहानियां गढ़ते हैं। कहते हैं कि योगी के नेतृत्व में ये दोनों असहज हैं। उन्हें बार-बार ललकारते हैं सौ विधायक लाओ, मुख्यमंत्री बन जाओ। यह बयान भाजपा के अंदर कलह फैलाने का प्रयास है। अखिलेश जानते हैं कि भाजपा की एकजुटता ही उसकी ताकत है। इसलिए वे छोटे-छोटे बीज बोकर दरार पैदा करने की कोशिश करते हैं। मौर्य और पाठक को निशाना बनाना इसलिए आसान है क्योंकि वे पिछड़े वर्ग और अन्य समुदायों के प्रतिनिधि हैं। अखिलेश इनके माध्यम से समाजवादी समर्थकों को लुभाने का प्रयास करते हैं। योगी पर सीधा हमला न हो सके तो अप्रत्यक्ष रूप से सरकार को कमजोर दिखाते हैं। यह चाल चाणक्य नीति जैसी लगती है, जहां शत्रु को अंदर से तोड़ा जाता है। भाजपा कार्यकर्ता इन बयानों से भड़कते हैं, लेकिन अखिलेश को इससे सुर्खियां मिलती हैं। मीडिया इन बयानों को प्रमुखता से दिखाता है, जिससे अखिलेश का संदेश दूर-दूर तक फैलता है।

सबसे चौंकाने वाला बयान तो 2027 के विधानसभा चुनाव न होने का है। अखिलेश कहते हैं कि उत्तर प्रदेश में अब विधानसभा चुनाव नहीं होगा, 2029 का लोकसभा चुनाव ही मुख्य होगा। यह बयान केंद्र और राज्य की सत्ता पर सवाल उठाता है। विपक्षी नेता इसे लोकतंत्र पर हमला बताते हैं, लेकिन अखिलेश इसे हथियार बनाते हैं। वे कहते हैं कि भाजपा चुनाव से डर रही है, इसलिए इसे टालने की साजिश रच रही है। यह दावा आधारहीन लगता है, लेकिन अखिलेश के समर्थकों में उत्साह भर देता है। वे इसे योगी सरकार की नाकामी का प्रमाण बताते हैं। वास्तव में यह बयान भविष्य की राजनीति को प्रभावित करने का प्रयास है। 2027 का चुनाव भाजपा के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि योगी की लोकप्रियता परखी जाएगी। अखिलेश पहले से ही प्रचार शुरू कर चुके हैं। समाजवादी कार्यकताओं को सक्रिय करने के लिए यह बयान हवा में आग लगाने जैसा है। विपक्षी दल इसे दोहराते हैं, जिससे माहौल गरमाता जाता है। अखिलेश की यह शैली उन्हें युवा वोटरों का चहेता बनाती है। उनकी भाषा सरल, तीखी और याद रखने लायक होती है।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का मुद्दा उठाकर अखिलेश ने धार्मिक भावनाओं को भी छुआ है। शंकराचार्य ने योगी सरकार पर आलोचना की, तो अखिलेश ने इसे पकड़ लिया। वे कहते हैं कि धार्मिक नेता भी योगी से नाराज हैं। यह बयान हिंदू वोट बैंक को भेदने की कोशिश है। योगी की हिंदुत्व छवि मजबूत है, लेकिन अखिलेश इसे कमजोर करने पर तुले हैं। शंकराचार्य के बहाने वे कहते हैं कि योगी धार्मिक मामलों में भेदभाव करते हैं। यह प्रहार सीधा सीने पर है। उत्तर प्रदेश में धर्म का महत्व बहुत है, इसलिए अखिलेश इसे नजरअंदाज नहीं कर सकते। वे हर धार्मिक आयोजन पर योगी को घेरते हैं। राम मंदिर निर्माण हो या काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, इनका श्रेय योगी को देते हुए भी कमियां निकालते हैं। अखिलेश की यह रणनीति लंबे समय से चल रही है। मुलायम सिंह यादव के जमाने से समाजवादी पार्टी विपक्ष की भूमिका निभाती रही है। लेकिन अखिलेश ने इसमें आधुनिकता जोड़ी है। सोशल मीडिया का सहारा लेते हैं, छोटे वीडियो बनवाते हैं। उनके बयान वायरल होते हैं, लाखों लोग देखते हैं। दरअसल, योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता अखिलेश के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। योगी ने पांच साल में विकास के कई काम किए हैं। सड़कें बनीं, बिजली पहुंची, अपराध पर नियंत्रण हुआ। निवेश सम्मेलनों से अरबों के प्रस्ताव आए। लेकिन अखिलेश इन सबको नकारते हैं। वे कहते हैं कि ये सब कागजी हैं, किसानों की हालत खराब है। बेरोजगारी बढ़ रही है, युवा परेशान हैं। महंगाई पर भी तंज कसते हैं। योगी के बुलडोजर अभियान को अन्याय बताते हैं। कहते हैं कि निदोर्षों के घर तोड़े जा रहे हैं। यह मुद्दा पिछड़े इलाकों में गूंजता है। इन्हीं बयानों के सहारे अखिलेश समाजवादी पार्टी को पुनर्जनन देने के लिए संघर्षरत हैं। 2017 में हार के बाद 2022 में फिर हार मिली। अब 2027 की तैयारी में जुटे हैं। उनकी तंज शैली वोटरों को जोड़ती है। खासकर यादव और मुस्लिम वोट बैंक को मजबूत करती है। वे योगी को चुनौती देते हैं बहस हो तो आओ। लेकिन बहस से बचते हैं। अखिलेश की भाषा में व्यंग्य का पुट ऐसा है कि सुनने वाले हंसते भी हैं और सोचने पर मजबूर हो जाते हैं। वे योगी को महंत कहकर चिढ़ाते हैं। कहते हैं कि महंत साधु हैं, राजनीति में क्या करेंगे। वेशभूषा पर तंज मारते हुए कहते हैं कि भगवा पहनकर विकास नहीं होता। केशव प्रसाद मौर्य को ललकारते हुए कहते हैं कि साहब, साहब कहना बंद करो, सत्ता संभालो। ब्रजेश पाठक को चेतावनी देते हैं कि योगी के डर से मत डरो। ये बयान भाजपा के अंदर खलबली मचा देते हैं। योगी शांत रहते हैं, लेकिन उनके समर्थक जवाब देते हैं। राजनीतिक बहस तेज हो जाती है। अखिलेश को इससे फायदा होता है। वे विपक्ष के चेहरा बन चुके हैं। अन्य दल उनके पीछे आते हैं।

यह सारी रणनीति 2027 के चुनाव के लिए है। अखिलेश जानते हैं कि योगी मजबूत हैं, लेकिन कमजोरियां ढूंढनी हैं। कानून व्यवस्था, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी ये मुद्दे उठाकर वे वोटरों को लुभाते हैं। शंकराचार्य का मुद्दा धार्मिक वोट प्रभावित करेगा। उपमुख्यमंत्रियों पर हमला भाजपा को बांटेगा। चुनाव न होने का दावा भय पैदा करेगा। अखिलेश की तंज शैली उन्हें अलग बनाती है। वे भाषणों में कविताएं सुनाते हैं, मुहावरों का इस्तेमाल करते हैं। युवा उन्हें पसंद करते हैं। सोशल मीडिया पर उनके क्लिप्स ट्रेंड करते हैं। समाजवादी पार्टी को नई ऊर्जा मिल रही है। योगी सरकार को सतर्क रहना होगा। अखिलेश के हमले तेज होंगे। राजनीति का यह युद्ध जारी रहेगा। उत्तर प्रदेश की सियासत में रोमांच बना रहेगा। अखिलेश यादव सुर्खियों के सितारे बने रहेंगे।

जब बेटियाँ उड़ान भरती हैं तो राष्ट्र नई ऊँचाइयाँ छूता है

-सुरेश गांधी

किसी भी राष्ट्र की प्रगति का सबसे सटीक पैमाना उसकी आधी आबादी की स्थिति से तय होता है। यदि समाज में महिलाओं को शिक्षा, सम्मान और अवसर मिलते हैं, तो वह देश केवल आर्थिक ही नहीं बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से भी मजबूत बनता है। आज भारत ऐसे ही एक परिवर्तनकारी दौर से गुजर रहा है, जहाँ बेटियाँ केवल घर की सीमाओं तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि विज्ञान, अंतरिक्ष, प्रशासन, राजनीति, सेना, खेल और उद्यमिता जैसे हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस केवल एक उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि यह उस लंबी सामाजिक यात्रा का प्रतीक है जिसमें महिलाओं ने संघर्ष, साहस और आत्मविश्वास के बल पर अपनी पहचान स्थापित की है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि महिलाओं को सशक्त बनाना केवल सामाजिक न्याय का प्रश्न नहीं बल्कि राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की बुनियादी आवश्यकता है। भारत की परंपरा में नारी को सृजन, संवेदना और शक्ति का प्रतीक माना गया है। आज आधुनिक भारत में यह प्रतीक वास्तविकता बनता दिखाई दे रहा है। जब बेटियाँ शिक्षा, अवसर और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ती हैं, तो उनका यह कदम केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र को नई ऊँचाइयों की ओर ले जाता है

किसी भी राष्ट्र की प्रगति का सही आकलन केवल उसकी आर्थिक वृद्धि, तकनीकी उपलब्धियों या सैन्य शक्ति से नहीं किया जा सकता। किसी समाज की वास्तविक उन्नति इस बात से तय होती है कि वह अपनी महिलाओं को कितना सम्मान, अवसर और स्वतंत्रता देता है। यदि किसी देश की बेटियाँ शिक्षित, सुरक्षित और आत्मनिर्भर हैं, तो यह माना जाता है कि वह समाज प्रगति के सही मार्ग पर है। आज भारत ऐसे ही एक महत्वपूर्ण सामाजिक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जहाँ महिलाएँ केवल परंपरागत भूमिकाओं तक सीमित नहीं रह गई हैं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण की अग्रिम पंक्ति में खड़ी दिखाई देती हैं। राजनीति, प्रशासन, विज्ञान, अंतरिक्ष, खेल, सेना, उद्योग, मीडिया और शिक्षा–ऐसा शायद ही कोई क्षेत्र बचा हो जहाँ भारतीय महिलाओं ने अपनी प्रतिभा और परिश्रम का परिचय न दिया हो।

हर वर्ष 8 मार्च को मनाया जाने वाला अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस इसी परिवर्तन का प्रतीक बन चुका है। यह दिन केवल उत्सव का अवसर नहीं बल्कि यह याद दिलाने का भी दिन है कि महिलाओं को समान अवसर और सम्मान देना केवल सामाजिक न्याय का प्रश्न नहीं बल्कि राष्ट्र के विकास की अनिवार्य शर्त है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में महिलाओं की प्रगति का अर्थ केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन की एक बड़ी प्रक्रिया है। जब एक लड़की पढ़ती है, तो वह केवल अपनी जिंदगी नहीं बदलती बल्कि पूरे परिवार और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य बदल देती है।

महिलाओं की प्रगति की कहानी समझने के लिए इतिहास की ओर देखना जरूरी है। भारतीय सभ्यता के प्रारंभिक काल में महिलाओं को समाज में सम्मानजनक स्थान प्राप्त था। वे शिक्षा, ज्ञान और आध्यात्मिक विमर्श में सक्रिय भूमिका निभाती थीं। वैदिक काल में गार्गी, मैत्रेयी और लोपामुद्रा जैसी विदुषियों ने दर्शन और ज्ञान की परंपरा को समृद्ध किया। लेकिन समय के साथ सामाजिक संरचना में बदलाव आया और महिलाओं की स्वतंत्रता धीरे-धीरे सीमित होती चली गई। मध्यकाल में कई सामाजिक कुरीतियाँ और रूढ़ियाँ महिलाओं के विकास में बाधा बनने लगीं। शिक्षा, संपत्ति और सार्वजनिक जीवन में उनकी भागीदारी कम होती गई।

हालांकि इस दौर में भी अनेक महिलाओं ने अपनी प्रतिभा और साहस से समाज को प्रेरित किया। रानी लक्ष्मीबाई, रानी दुर्गावती और अहिल्याबाई होल्कर जैसी वीरांगनाओं ने यह साबित किया कि नारी केवल संवेदनशीलता का प्रतीक नहीं बल्कि साहस और नेतृत्व की भी प्रतिमूर्ति है। आधुनिक भारत में सामाजिक सुधार आंदोलनों ने महिलाओं के अधिकारों को नई दिशा दी। शिक्षा के प्रसार, सामाजिक सुधारों और स्वतंत्रता आंदोलन में महिलाओं की भागीदारी ने समाज की सोच को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्वतंत्रता आंदोलन और महिलाओं की भूमिका

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। सरोजिनी नायडू, कस्तूरबा गांधी, अरुणा आसफ अली, उषा मेहता और कप्तान लक्ष्मी सहगल जैसी अनेक महिलाओं ने स्वतंत्रता आंदोलन को नई ऊर्जा दी। महात्मा गांधी ने भी महिलाओं को राष्ट्रीय आंदोलन में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा था कि महिलाओं में वह नैतिक शक्ति और धैर्य है जो किसी भी आंदोलन को मजबूत बना सकती है। स्वतंत्रता के बाद भारतीय संविधान ने महिलाओं को समान अधिकार और अवसर प्रदान किए। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बना।

बदलता भारतः महिलाओं की नई पहचान

आज का भारत तेजी से बदल रहा है और इस बदलाव में महिलाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। शिक्षा और जागरूकता के बढ़ने से महिलाओं के सामने नए अवसर खुल रहे हैं। शिक्षा महिलाओं के सशक्तिकरण की सबसे मजबूत नींव है। पिछले कुछ दशकों में भारत में लड़कियों की शिक्षा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक लड़कियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। आज भारतीय महिलाएँ इंजीनियरिंग, चिकित्सा, प्रबंधन, कानून और विज्ञान जैसे क्षेत्रों में बड़ी संख्या में आगे आ रही हैं।

विज्ञान और अंतरिक्ष में योगदान

भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में भी महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। कई महिला वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष मिशनों में प्रमुख योगदान दिया है। यह इस बात का संकेत है कि अवसर मिलने पर महिलाएँ किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं।

राजनीति और प्रशासन में भागीदारी

भारत में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी भी धीरे-धीरे बढ़ रही है। पंचायत स्तर पर आरक्षण ने लाखों महिलाओं को नेतृत्व का अवसर दिया है। गाँव की सरपंच से लेकर संसद तक महिलाएँ नीति निर्माण में अपनी भूमिका निभा रही हैं। यह बदलाव केवल राजनीतिक प्रतिनिधित्व तक सीमित नहीं है बल्कि इससे समाज में महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण भी बदल रहा है।

आर्थिक आत्मनिर्भरताः सशक्तिकरण का आधार

महिलाओं की वास्तविक स्वतंत्रता तब संभव होती है जब वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनती हैं। आज भारत में बड़ी संख्या में महिलाएँ व्यवसाय, उद्यमिता और रोजगार के क्षेत्र में आगे आ रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों ने महिलाओं के जीवन में बड़ा परिवर्तन लाया है। छोटे-छोटे व्यवसायों के माध्यम से महिलाएँ न केवल अपनी आय बढ़ा रही हैं बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत बना रही हैं। शहरी क्षेत्रों में भी महिलाएँ स्टार्टअप और उद्यमिता के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

सेना और सुरक्षा क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भूमिका

कुछ दशक पहले तक सेना को पुरुषों का क्षेत्र माना जाता था। लेकिन आज भारतीय महिलाएँ सेना, वायुसेना और नौसेना में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। महिला फाइटर पायलट, युद्धपोतों पर तैनाती और सैन्य नेतृत्व की जिम्मेदारियाँ यह दशार्ती हैं कि देश में महिलाओं के प्रति सोच बदल रही है।

चुनौतियाँ अभी भी मौजूद

हालांकि महिलाओं ने कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं, लेकिन चुनौतियाँ अभी भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं। लिंग भेदभाव, घरेलू हिंसा, बाल विवाह, कार्यस्थल पर भेदभाव और सुरक्षा जैसे मुद्दे आज भी समाज के सामने गंभीर प्रश्न बने हुए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में कई लड़कियाँ आज भी शिक्षा से वंचित रह जाती हैं। कई महिलाओं को सामाजिक दबाव और आर्थिक निर्भरता के कारण अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना पड़ता है। इसलिए महिला सशक्तिकरण केवल कानून बनाने से संभव नहीं है। इसके लिए समाज की सोच और मानसिकता में बदलाव आवश्यक है।

भारतीय संस्कृति और नारी का सम्मान

भारतीय संस्कृति में नारी को सृजन और शक्ति का प्रतीक माना गया है। देवी दुर्गा, लक्ष्मी और सरस्वती के रूप में नारी को शक्ति, समृद्धि और ज्ञान का स्वरूप माना गया है। प्राचीन भारतीय दर्शन में कहा गया है :–

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता।

अर्थात जहाँ महिलाओं का सम्मान होता है, वहाँ देवताओं का वास होता है। यह केवल धार्मिक आस्था नहीं बल्कि सामाजिक दर्शन का भी महत्वपूर्ण संदेश है।

डिजिटल युग और महिलाओं के नए अवसर

डिजिटल क्रांति ने महिलाओं के लिए नए अवसर पैदा किए हैं। ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल बैंकिंग और ई-कॉमर्स के माध्यम से महिलाएँ अपने कौशल और प्रतिभा को दुनिया के सामने प्रस्तुत कर रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम महिलाओं को नई दिशा दे रहे हैं।

महिलाओं की सफलता का व्यापक प्रभाव

जब महिलाएँ आगे बढ़ती हैं तो उसका प्रभाव केवल उनके व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं रहता। इसका प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है। शिक्षित और आत्मनिर्भर महिलाएँ अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा और संस्कार देती हैं। इससे आने वाली पीढ़ियाँ भी अधिक जागरूक और सक्षम बनती हैं। इस प्रकार महिलाओं का सशक्तिकरण समाज के समग्र विकास का आधार बन जाता है।

भविष्य की दिशा

भारत यदि वास्तव में विकसित राष्ट्र बनना चाहता है तो उसे महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। इसके लिए आवश्यक है– हर लड़की को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले. महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए. कार्यस्थलों पर समान अवसर उपलब्ध हों. महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाई जाए. जब समाज में महिलाओं को समान अवसर और सम्मान मिलेगा, तभी सच्चे अर्थों में विकास संभव होगा।

महिला सशक्तिकरण ही राष्ट्र की प्रगति

महिला दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं बल्कि यह समाज को यह याद दिलाने का अवसर है कि महिलाओं के बिना विकास की कल्पना अधूरी है। आज भारत की बेटियाँ विज्ञान से लेकर अंतरिक्ष तक, खेल से लेकर प्रशासन तक हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परिचय दे रही हैं। यह बदलाव केवल महिलाओं की सफलता की कहानी नहीं बल्कि एक नए भारत के निर्माण की कहानी है। जब बेटियाँ शिक्षा, आत्मविश्वास और अवसरों के साथ आगे बढ़ती हैं, तो उनका साहस केवल उनके सपनों को ही नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र के भविष्य को नई दिशा देता है। वास्तव में, जब बेटियाँ उड़ान भरती हैं तो राष्ट्र नई ऊँचाइयाँ छूता है।

जब महिलाएँ केवल अधिकार नहीं, भविष्य भी गढ़ रही हैं‍

मानव सभ्यता के इतिहास में यदि किसी शक्ति ने निरंतर संघर्ष करते हुए समाज को दिशा दी है, तो वह निस्संदेह नारी शक्ति है। वह कभी माँ बनकर संस्कार देती है, कभी बहन बनकर सहारा, कभी पत्नी बनकर जीवन का आधार और कभी नेतृत्व कर समाज को नई दिशा प्रदान करती है। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि इतिहास के लंबे कालखंड में महिलाओं को अपने अधिकारों, सम्मान और समान अवसरों के लिए संघर्ष करना पड़ा। आज की महिला केवल घर की जिम्मेदारियों तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनीति, विज्ञान, अंतरिक्ष, सेना, प्रशासन, खेल, शिक्षा, उद्योग और पत्रकारिता जैसे हर क्षेत्र में अपनी क्षमता का लोहा मनवा रही है। भारत में भी यह परिवर्तन तेजी से दिखाई दे रहा है। गाँव की स्वयं सहायता समूह से लेकर अंतरिक्ष में तिरंगा फहराने तक– भारतीय महिलाओं ने साबित कर दिया है कि अवसर मिले तो वे असंभव को भी संभव बना सकती हैं। लेकिन इस उपलब्धि की कहानी केवल आज की नहीं है। इसके पीछे सदियों का संघर्ष, सामाजिक बदलाव और चेतना की लंबी यात्रा छिपी हुई है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुरूआत भी महिलाओं के अधिकारों की इसी संघर्ष यात्रा से जुड़ी हुई है। वर्ष 1908 में अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में हजारों महिला मजदूरों ने बेहतर वेतन, कम कार्य समय और मतदान के अधिकार की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। इसके बाद 1910 में कोपेनहेगन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय समाजवादी महिला सम्मेलन में जर्मन नेता क्लारा जेटकिन ने महिला दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा। 1911 में पहली बार कई यूरोपीय देशों में महिला दिवस मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र ने 1975 में आधिकारिक रूप से 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मान्यता दी। तब से यह दिन विश्वभर में महिलाओं के अधिकार, समानता और सम्मान के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है।

नारी : केवल शक्ति नहीं, संवेदना भी

महिलाओं की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे शक्ति और संवेदना का अद्भुत संतुलन रखती हैं। वे संघर्ष भी कर सकती हैं और समाज को जोड़ने का काम भी कर सकती हैं। आज दुनिया जिस तरह युद्ध, हिंसा और संघर्ष से जूझ रही है, उसमें महिलाओं की भूमिका शांति और संवाद की नई राह दिखा सकती है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस हमें यह याद दिलाता है कि नारी केवल जीवन की सहयात्री नहीं बल्कि समाज की निमार्ता है। वह भविष्य की पीढ़ियों को गढ़ती है, संस्कार देती है और समाज को दिशा प्रदान करती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि महिला सशक्तिकरण को केवल नारों तक सीमित न रखा जाए बल्कि उसे व्यवहार में उतारा जाए। जब हर लड़की को शिक्षा मिलेगी, हर महिला को सम्मान मिलेगा और हर नारी को अपने सपनों को पूरा करने का अवसर मिलेगा–तभी सच्चे अर्थों में महिला दिवस का उद्देश्य पूरा होगा। क्योंकि नारी केवल शक्ति नहीं, वह सभ्यता का भविष्य है।

जब महिलाएँ केवल अधिकार नहीं, भविष्य भी गढ़ रही हैं‍

मानव सभ्यता के इतिहास में यदि किसी शक्ति ने निरंतर संघर्ष करते हुए समाज को दिशा दी है, तो वह निस्संदेह नारी शक्ति है। वह कभी माँ बनकर संस्कार देती है, कभी बहन बनकर सहारा, कभी पत्नी बनकर जीवन का आधार और कभी नेतृत्व कर समाज को नई दिशा प्रदान करती है। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि इतिहास के लंबे कालखंड में महिलाओं को अपने अधिकारों, सम्मान और समान अवसरों के लिए संघर्ष करना पड़ा। आज की महिला केवल घर की जिम्मेदारियों तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनीति, विज्ञान, अंतरिक्ष, सेना, प्रशासन, खेल, शिक्षा, उद्योग और पत्रकारिता जैसे हर क्षेत्र में अपनी क्षमता का लोहा मनवा रही है। भारत में भी यह परिवर्तन तेजी से दिखाई दे रहा है। गाँव की स्वयं सहायता समूह से लेकर अंतरिक्ष में तिरंगा फहराने तक– भारतीय महिलाओं ने साबित कर दिया है कि अवसर मिले तो वे असंभव को भी संभव बना सकती हैं। लेकिन इस उपलब्धि की कहानी केवल आज की नहीं है। इसके पीछे सदियों का संघर्ष, सामाजिक बदलाव और चेतना की लंबी यात्रा छिपी हुई है।

नारी : केवल शक्ति नहीं, संवेदना भी

महिलाओं की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे शक्ति और संवेदना का अद्भुत संतुलन रखती हैं। वे संघर्ष भी कर सकती हैं और समाज को जोड़ने का काम भी कर सकती हैं। आज दुनिया जिस तरह युद्ध, हिंसा और संघर्ष से जूझ रही है, उसमें महिलाओं की भूमिका शांति और संवाद की नई राह दिखा सकती है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस हमें यह याद दिलाता है कि नारी केवल जीवन की सहयात्री नहीं बल्कि समाज की निमार्ता है। वह भविष्य की पीढ़ियों को गढ़ती है, संस्कार देती है और समाज को दिशा प्रदान करती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि महिला सशक्तिकरण को केवल नारों तक सीमित न रखा जाए बल्कि उसे व्यवहार में उतारा जाए। जब हर लड़की को शिक्षा मिलेगी, हर महिला को सम्मान मिलेगा और हर नारी को अपने सपनों को पूरा करने का अवसर मिलेगा–तभी सच्चे अर्थों में महिला दिवस का उद्देश्य पूरा होगा। क्योंकि नारी केवल शक्ति नहीं, वह सभ्यता का भविष्य है।

गोसाई फिर बने भाजपा उत्तराखंड सेल के अध्यक्ष

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई और आसपास के शहरों में भाजपा ने भाजपा उत्तराखंड सेल की स्थापना विगत गई वर्षों से की , जिस से काफी फायदा भाजपा को मिला। बीते वर्षों से यह कमान युवा, होनहार , कार्मठ, तेजस्वी महेंद्र सिंह गोसाई को सौंप गई। सफलता की प्राप्ति को देखकर भाजपा और उत्तराखंडी समाज ने फिर महेंद्र सिंह गोसाई को भाजपा उत्तराखंड सेल का अध्यक्ष चुन लिया है । श्री गोसाई के पुनः इस पद पर नियुक्ति का हर उत्तराखंडी व भाजपा ने स्वागत किया है। प्रवासी उत्तराखंडियों ने श्री गोसाई से उम्मीद जताई है कि वह आने वाले समय में जन्म प्रतिनिधि बनकर समाज को उचित दिशा देंगे और उत्तराखंडी समाज का नाम रोशन करेंगे ।

महाराष्ट्र के पहले शिव मंदिर में शिवजयंती व मंदिर स्थापना दिवस समारोह उत्साह के साथ संपन्न

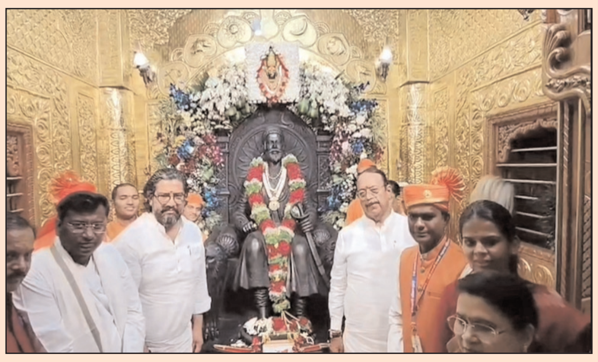

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी तालुका के मराडे पाडा स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज के महाराष्ट्र के पहले मंदिर में शिवजयंती तथा मंदिर के स्थापना दिवस का समारोह तिथि अनुसार धार्मिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक कार्यक्रमों के साथ उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर को विद्युत रोशनी और फूलों से भव्य रूप से सजाया गया था। स्थापना दिवस के अवसर पर मंदिर में भजन, कीर्तन, शिवचरित्र वाचन सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। शुक्रवार को पंचक्रोशी क्षेत्र के शिवभक्तों ने छत्रपति शिवाजी महाराज की पालखी यात्रा निकाली जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इस अवसर पर छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज तथा राज्य के सार्वजनिक बांधकाम मंत्री छत्रपति शिवेंद्रराजे भोसले ने उपस्थित होकर महाराज के दर्शन किए और शिवक्रांति प्रतिष्ठान के संस्थापक राजूभाऊ चौधरी तथा उनके साथियों द्वारा स्थापित इस मंदिर और उपक्रम की सराहना की। कार्यक्रम में विधायक किशन कथोरे भी विशेष रूप से उपस्थित थे। मंत्री शिवेंद्रराजे भोसले ने कहा कि महाराज का प्रमुख मंदिर श्रीशैलम में है, लेकिन मराठी युवकों ने एकजुट होकर अपने प्रयासों से यहां इतना भव्य और दिव्य मंदिर निर्माण किया है, जो अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि स्वयं इस घराने का वंशज और सदस्य होने के बावजूद इस मंदिर को देखकर वे भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि राजूभाऊ चौधरी को केवल शिवाजी महाराज से प्रेम ही नहीं है, बल्कि उनके रक्त में ही शिवाजी महाराज बसते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस शक्तिपीठ को ह्यबीह्न श्रेणी का दर्जा देकर यहां पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए राज्य सरकार निश्चित रूप से प्रयास करेगी और इस क्षेत्र को बड़ा स्थान दिलाने में हर संभव सहयोग दिया जाएगा। इस अवसर पर शिवक्रांति प्रतिष्ठान के संस्थापक राजूभाऊ चौधरी और प्रमुख मार्गदर्शक हभप कैलास महाराज निचीते ने मान्यवरों का स्वागत किया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रतिष्ठान के कार्यकताओं ने विशेष मेहनत की।

रियल वाले रंग सब पे चढ़ जाएं' अभियान के साथ 'रियल जूस ' ने बदला होली उत्सव का अंदाज

मुंबई/पटना। पैकेज्ड फ्रूट जूस श्रेणी की अग्रणी कंपनी डाबर इंडिया लिमिटेड ने अपने होली उत्सव अभियान, रियल वाले रंग सब पे चढ़ जाएं को लॉन्च करने की घोषणा की। 'रियल फ्रूट पावर' को हाइड्रेशन और ऊर्जा के बेहतरीन साथी के रूप में पेश करते हुए, यह अभियान भारत के सबसे रंगीन त्योहार की बेरोकटोक और स्वाभाविक खुशी का जश्न मनाता है। रियल वाले रंग सब पे चढ़ जाएं पहल लोगों को अपनी झिझक छोड़ने और रंगबाज भावना को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है—यानी फलों के प्राकृतिक पोषण से भरपूर रहते हुए पूरे दिल से होली खेलना। इस अभियान के केंद्र में एक हाई-एनर्जी म्यूजिकल फिल्म है, जो आधुनिक भारतीय होली की आत्मा को दर्शाती हैः परंपरा, सहज नृत्य और दोस्ती के वास्तविक बंधनों का एक अनूठा संगम।

डाबर 'रियल जूस' का महिला दिवस पर नया अभियान: आत्म-संदेह छोड़ें, खुद पर भरोसा करें

मुंबई/पटना। इस महिला दिवस पर जूस ब्रांड 'रियल' ने अपना नया कैंपेन कीप इट रियल शुरू किया है। इसका मकसद महिलाओं को उनके मन में उठने वाले डर और शक को दूर करने के लिए प्रेरित करना है। अक्सर महिलाएं खुद की काबिलियत पर शक करती हैं। यह अभियान बताता है कि एक महिला का अपने परिवार, काम और खुद के लिए प्यार, उसके किसी भी डर से कहीं ज्यादा बड़ा और मजबूत है। डाबर इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट (मार्केटिंग) मयंक कुमार ने कहा श्हम सिर्फ सफलता का जश्न नहीं मनाना चाहते, बल्कि उस मुश्किल सफर और संघर्ष का भी सम्मान करना चाहते हैं जो एक महिला तय करती है। हम महिलाओं को याद दिलाना चाहते हैं कि उनकी असली ताकत उनका दिल और मेहनत है।

इंडियन आइडल जज विशाल ददलानी

मुंबई/पटना। इंडियन आइडल का हिस्सा बनकर मुझे कई बेहद प्रतिभाशाली महिलाओं को देखने का सौभाग्य मिला है, जो मंच पर सिर्फ अपनी दमदार आवाज ही नहीं बल्कि जबरदस्त मेहनत, जुनून और दृढ़ता भी लेकर आती हैं। लोग स्क्रीन पर जो देखते हैं, वह कहानी का सिर्फ एक हिस्सा है। पर्दे के पीछे भी क्रू, प्रोडक्शन और क्रिएटिव टीम में कई मेहनती महिलाएँ हैं, जो इस शो को संभव बनाती हैं। उनकी लगन, रचनात्मकता और ताकत हमें हर दिन प्रेरित करती है। इस महिला दिवस पर मैं मंच पर और उसके बाहर हर उस महिला का सम्मान करता हूँ जो बड़े सपने देखती है और उन्हें बेखौफ होकर पूरा करने की कोशिश करती है। महिला दिवस केवल महिलाओं को उन पारंपरिक भूमिकाओं के लिए सम्मान देने का दिन नहीं है, जो उन्होंने निभाई हैं, बल्कि यह उस जगह को पहचानने का भी अवसर है जिसे वे आज हर क्षेत्र में अपने दम पर हासिल कर रही हैं। बोर्डरूम से लेकर किचन तक, लैबोरेटरी से लेकर फिल्म सेट तक महिलाएँ आत्मविश्वास, बुद्धिमत्ता और नेतृत्व के साथ भविष्य को आकार दे रही हैं। असली उत्सव तब होगा जब हम ऐसे सिस्टम और माहौल बनाएँ जहाँ प्रतिभा और महत्वाकांक्षा बिना किसी रुकावट के आगे बढ़ सके।

श्रीमती हर्षदा मोतीलाल भानुशाली प्राथमिक विद्यालय भवन का किया गया भूमिपूजन

दांडेकर महाविद्यालय, पालघर में अंग्रेजी माध्यम स्कूल की भी रखी गई नींव

पालघर (उत्तरशक्ति)। पालघर स्थित सोनोपंत दांडेकर शिक्षण मंडली के शैक्षणिक विस्तार उपक्रम के अंतर्गत सोनोपंत दांडेकर महाविद्यालय परिसर में नये अंग्रेजी माध्यमिक स्कूल की स्थापना की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। दानदाता भानुशाली परिवार के आर्थिक सहयोग से बनने वाली श्रीमती हर्षदा मोतीलाल भानुशाली प्राथमिक विद्यालय की नई इमारत का भूमिपूजन समारोह शुक्रवार 5 मार्च 2026 को दोपहर 12:30 बजे उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। शिक्षा क्षेत्र को नई दिशा देने वाला यह कार्यक्रम अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर दानदाता उद्योगपति महेश मोतीलाल भानुशाली के शुभ हाथों से श्रीमती हर्षदा मोतीलाल भानुशाली प्राथमिक विद्यालय की इमारत का विधिवत भूमिपूजन किया गया। इस दौरान उनकी मातोश्री हर्षदा मोतीलाल भानुशाली तथा पत्नी नीलम महेश भानुशाली सहित भानुशाली परिवार के सदस्य, रिश्तेदार तथा विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोग उपस्थित थे। इसके अलावा सोनोपंत दांडेकर शिक्षण मंडली के पदाधिकारी, शिक्षा क्षेत्र से जुड़े मान्यवर तथा आमंत्रित अतिथि बड़ी संख्या में उपस्थित होकर इस महत्वपूर्ण उपक्रम के साक्षी बने। ज्ञात हो कि पिछले लगभग 50 वर्षों से सोनोपंत दांडेकर शिक्षण मंडली पालघर जिले में शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है और समाज की शैक्षणिक प्रगति के लिए निरंतर योगदान देता आ रहा है। विद्यार्थियों को आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण और प्रतिस्पर्धी शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संस्था ने अंग्रेजी माध्यमिक विद्यालय शुरू करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। भानुशाली परिवार के सहयोग से बनने वाली यह नई विद्यालय इमारत पालघर तथा आसपास के विद्यार्थियों के लिए आधुनिक शिक्षा के नए अवसर उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध होगी। इस कार्यक्रम में सोनोपंत दांडेकर शिक्षण मंडली के अध्यक्ष सी.ए. सचिन कोरे, कोषाध्यक्ष मंगेश पंडित, सचिव सुधीर कुलकर्णी एवं अनिल पाटिल, कार्याध्यक्ष प्रकाश संखे, सुरेश जोशी, सुधीर दांडेकर, भरत राऊत, अमिता राऊत, अमोल वर्तक, निनाद सावे, हिमाली राऊत,रामप्रकाश निराला तथा वरिष्ठ एवं कनिष्ठ महाविद्यालय के शिक्षक बड़ी संख्या में उपस्थित थे इसके साथ ही एस.डी.एस.एम. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. किरण सावे, उपप्राचार्य डॉ.महेश देशमुख, पोल सर, विधि महाविद्यालय की प्राचार्या पायल चोलेरा, पी.डी. घोड़े, अश्विन भानुशाली, योगेश म्हात्रे, दीपक पिंपले, विक्की पिंपले, समाजसेवक जगन्नाथ पावडे तथा एड. दीपक सावले की भी विशेष उपस्थिति रही। प्रस्तावित विद्यालय भवन के लिए उदारतापूर्वक आर्थिक सहयोग देने वाले भानुशाली परिवार के प्रति संस्था के अध्यक्ष सी.ए. सचिन कोरे ने आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस नई विद्यालय की स्थापना से क्षेत्र के विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाओं के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के अधिक अवसर मिलेंगे। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. किरण सावे ने दानदाता भानुशाली परिवार तथा उपस्थित सभी मान्यवरों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाला यह भूमिपूजन समारोह उत्साहपूर्ण और प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुआ।

नगरसेवक का सत्कार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। साकीनाका वार्ड नंबर 159 के नगरसेवक प्रकाश देवजी मोरे और महिला मोर्चा की पदाधिकारी उषा मोरे का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर जन्मदिन समारोह जंगलेश्वर महादेव मंदिर मार्ग कुलकर्णी वाडी स्थित ऑफिस में आयोजित किया गया।

इस मौके पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकताओं, पदाधिकारियों और पार्टी के अन्य पदाधिकारियों ने प्रकाश मोरे और उषा मोरे को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

इस मौके पर BJP जिला उपाध्यक्ष शुभ्रांशु दीक्षित, पत्रकार संजय गिरी और कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

हैप्पी किड्स स्कूल का वार्षिक दिवस एवं रिवॉर्ड नाइट समारोह हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले के नागझरी स्थित डी.जी. पाटील शिक्षण संस्था द्वारा संचालित हैप्पी किड्स स्कूल का वार्षिक दिवस (एनुअल डे) एवं रिवॉर्ड नाइट समारोह शुक्रवार 6 मार्च 2026 की शाम को बड़े ही उत्साह, भव्यता व गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत मान्यवरों के हाथों दीप प्रज्वलन करके की गई। इसके बाद विद्यालय की चेयरपर्सन भाविका पाटील तथा प्रिंसिपल आराध्या पावड़े ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ संस्कार, अनुशासन एवं नैतिक मूल्यों के महत्व को समझाया। इस दौरान रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर के पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन राकेश मिश्रा ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए विद्यालय की उत्कृष्ट कार्यप्रणाली तथा विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया।

नन्हे-मुन्ने बच्चों ने गीत, नृत्य और विभिन्न कलात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया, जिस पर दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर ब्लॉक एजुकेशन ऑफिसर निमिष मोहिते मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर के प्रेसिडेंट राम नारायण गोयल, पास्ट प्रेसिडेंट राकेश मिश्रा, वैशाली शिंदे, रोटेरियन स्मिता जाधव तथा लक्ष्मण जाधव सहित शहर के कई गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सभी अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ, शॉल और स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ, जिसमें विद्यालय के मेधावी और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन, अनुशासन व अन्य गतिविधियों में उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों व अभिभावकों ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी तथा कार्यक्रम की सराहना करते हुए कार्यक्रम को यादगार बनाने तथा सफल आयोजन हेतु चेयरपर्सन भाविका पाटील, संरक्षक विकास पाटील (एडवोकेट), प्रिंसिपल आराध्या पावड़े तथा विद्यालय की पूरी टीम को बधाई दी। इस कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक, शिक्षिकाएं, कर्मचारी, विद्यार्थी तथा बड़ी संख्या में अभिभावकगण उपस्थित थे ।

भिवंडी में छत्रपति शिवाजी महाराज महसूल समाधान शिविर का शुभारंभ मनपा महापौर नारायन चौधरी के हाथों किया गया

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र में राजस्व विभाग की ओर से नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए छत्रपति शिवाजी महाराज महसूल समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर के माध्यम से प्रत्येक मंडल अधिकारी कार्यालय के अंतर्गत नागरिकों को सातबारा दुरुस्ती, फेरफार दुरुस्ती सहित कुल 15 प्रकार की राजस्व सेवाएं प्रदान की जाएंगी। भिवंडी तहसील कार्यालय के अंतर्गत इस शिविर का शुभारंभ शनिवार (7 मार्च) को भिवंडी निजामपुर महानगरपालिका के महापौर नारायण चौधरी के शुभहस्ते पुलिस संकुल सभागृह में किया गया। इस अवसर पर तहसीलदार अभिजीत खोले, नगरसेवक परेश चौघुले, नायब तहसीलदार आदेश म्हात्रे, सभी मंडल अधिकारी, ग्राम महसूल अधिकारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान महापौर नारायण चौधरी ने कहा कि भिवंडी शहर और तालुका के नागरिक तथा किसान राजस्व विभाग द्वारा दी जा रही इस सुविधा का

लाभ उठाकर अपने लंबित कामों को पूरा करवाएं। अगले दो महीनों के दौरान प्रत्येक मंडल कार्यालय में आयोजित होने वाले शिविरों में अधिक से अधिक नागरिकों को भाग लेना चाहिए। तहसीलदार अभिजीत खोले ने बताया कि पूरे महाराष्ट्र में इस अभियान के तहत शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। भिवंडी तालुका के आठ मंडल अधिकारी क्षेत्रों में अगले दो महीनों में ये शिविर लगाए जाएंगे। इसके लिए गांव स्तर पर जनजागृति भी की गई है। उन्होंने नागरिकों से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की।

भूमि अभिलेख कर्मचारियों के कामबंद आंदोलन से नागरिकों की बढी मुश्किलें, सांसद सुरेश म्हात्रे को सौंपा ज्ञापन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भूमि अभिलेख विभाग की लंबित मांगों पर सरकार की ओर से कोई ठोस और संतोषजनक निर्णय नहीं लिए जाने के कारण कर्मचारियों ने कामबंद आंदोलन शुरू कर दिया है। इस आंदोलन के चलते अनेक नागरिकों के काम प्रभावित हो गए हैं।

भूमि अभिलेख कर्मचारियों को उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद अब तक तकनीकी वेतनश्रेणी लागू नहीं की गई है। इसके अलावा डेढ़ सौ दिनों के आंदोलन कार्यक्रम के दौरान राजस्व मंत्री द्वारा मांगें स्वीकार करने का आश्वासन दिए जाने के बाद भी उसका अमल नहीं होने से कर्मचारियों में नाराजगी है। इसी के विरोध में शुक्रवार को राज्यभर में भूमि अभिलेख कार्यालयों के बाहर कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में तकनीकी वेतनश्रेणी लागू करना, संशोधित आकृतिबंध के अनुसार भूकरमापक तथा परिरक्षण भूकरमापक के बढ़े हुए पदों को मंजूरी देना, मोजणी (जमीन मापन) कर्मचारियों के लिए निश्चित यात्रा

भत्ता तय कर उसे वेतन में शामिल करना, अन्य विभागों के अधिकारियों को पर्याप्त तकनीकी ज्ञान न होने के कारण इस विभाग में उनकी बदली या प्रतिनियुक्ति न करना तथा विभाग का निजीकरण न करना जैसी कई मांगें शामिल हैं। इन मांगों को लेकर महाराष्ट्र राज्य भूमि अभिलेख कर्मचारी कृती समिति के नेतृत्व में 18 फरवरी से विभिन्न चरणों में आंदोलन चलाया जा रहा है। इसमें मोजणी से संबंधित सामग्री कार्यालय में जमा करना, असहकार आंदोलन, काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज करना, सामूहिक अवकाश आंदोलन और आक्रोश आंदोलन जैसे कदम उठाने के बाद अब कर्मचारियों ने बेमियादी कामबंद आंदोलन शुरू कर दिया है। इस आंदोलन के कारण तालुका स्तर पर कई नागरिकों की जमीन मापन से जुड़ी प्रक्रियाएं ठप पड़ गई हैं, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच भिवंडी भूमि अभिलेख विभाग के कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर सांसद सुरेश म्हात्रे और पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री कपिल पाटिल को ज्ञापन सौंपकर सरकार तक अपनी मांगें पहुंचाने और उनका समाधान कराने की मांग की है।

भव्य ग्रैंड फिनाले के साथ MET उत्सव 2026 का समापन

मुंबई। मुंबई एजुकेशनल ट्रस्ट ने मंगलवार शाम को अपने मुंबई कैंपस में एक शानदार 'ग्रैंड फिनाले' के साथ MET उत्सव 2026 का समापन किया। 'माइंड मीट्स मशीन' (इंसानी दिमाग और तकनीक का संगम) थीम पर आधारित इस कई दिनों के कार्यक्रम में खेल, कला और संस्कृति का जश्न मनाया गया। इस उत्सव में छात्रों और शिक्षकों के साथ-साथ फिल्म और संगीत जगत की मशहूर हस्तियां भी शामिल हुईं, जहाँ भारत की युवा प्रतिभा और हुनर को सम्मानित किया गया। MET उत्सव 2026 के असली हीरो यहाँ के छात्र थे। सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने हफ्तों की कड़ी मेहनत, जुनून और अपनी पूरी ऊर्जा हर परफॉर्मेंस, प्रतियोगिता और प्रदर्शनी में लगा दी। शुरूआत स्पोर्ट्स डे से हुई जहाँ कड़ा मुकाबला और जश्न का माहौल था। इसके बाद वर्कशॉप और धमाकेदार कार्निवल हुए, जिन्होंने टएळ के छात्रों के जोश को बखूबी दिखाया। 'ग्रैंड फिनाले' वह मंच बना जहाँ हफ्तों की मेहनत एक जादू बनकर उभरी। इसमें शानदार डांस परफॉर्मेंस, हवा में हैरतअंगेज कलाबाजियां (एरियल एक्ट), संस्कृति की झलक दिखाता फैशन शो और मजेदार स्टैंड-अप कॉमेडी शामिल थी, जिसने पूरे ऑडिटोरियम को ठहाकों से भर दिया। छात्रों के लिए ये ऐसी यादगार यादें थीं, जो कार्यक्रम खत्म होने के बाद भी उनके दिलों में हमेशा ताजा रहेंगी।

MET के माननीय ट्रस्टी, श्री पंकज भुजबल ने कहा, MET उत्सव 2026 हमारे छात्रों का है - हर परफॉर्मेंस, हर प्रतियोगिता और देर रात तक की गई मेहनत ने ही इस उत्सव को इतना खास बनाया है। 'माइंड मीट्स मशीन' की थीम ने छात्रों को रचनात्मकता और तकनीक के बारे में नए तरीके से सोचने की चुनौती दी, जिसे उन्होंने बखूबी निभाया। 'MET एमिनेंस ऑनर' के जरिए हमारा मकसद छात्रों के जोश को उन दिग्गजों के साथ जोड़ना था जिन्होंने भारतीय संस्कृति को संवारा है। जब जैकी श्रॉफ, जीनत अमान, नीरज घेवन, शैल हाडा और बेला शेंडे जैसे कलाकार हमारे छात्रों के बीच होते हैं, तो हर किसी को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। ग्रैंड फिनाले का मुख्य आकर्षण 'MET एमिनेंस ऑनर' की पहली प्रस्तुति थी। यह एक नया सम्मान है, जो उन हस्तियों को दिया जाता है।

मैट पर दम, मिट्टी से जुड़ाव : बीएसएनएल के पहलवान यदुवंश पाठक की प्रेरक यात्रा

मुंबई(उत्तरशक्ति)। अहमदाबाद की समृद्ध खेल परंपरा में कुश्ती का विशेष स्थान रहा है। पुराने शहर के पारंपरिक अखाड़ों से लेकर आधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स तक इस शहर ने अनेक प्रतिभाशाली पहलवानों को जन्म दिया है। इन्हीं में एक प्रमुख नाम है बीएसएनएल से जुड़े मैट कुश्ती खिलाड़ी यदुवंश लालचंद पाठक, जिन्हें खेल जगत में ह्लछोटेलाल पहलवानह्व के नाम से भी जाना जाता था। उन्होंने पारंपरिक मिट्टी की कुश्ती और आधुनिक मैट कुश्ती के संगम से अपनी अलग पहचान बनाई।

यदुवंश लालचंद पाठक (05 अप्रैल 1960 झ्र 03 मार्च 2026) भारतीय कुश्ती जगत के जाने-माने पहलवान और गुजरात कुश्ती चैंपियन रहे। उन्होंने अपने लगभग 17 वर्षों के लंबे खेल करियर में 57, 62 और 68 किलोग्राम भार वर्ग में कई महत्वपूर्ण मुकाबले लड़े और उल्लेखनीय सफलताएँ हासिल कीं। पाठक जी का खेल जीवन उस दौर में आगे बढ़ा, जब सरकारी उपक्रमों की खेल टीमों का बड़ा महत्व हुआ करता था। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) की टीम से जुड़कर उन्होंने विभागीय और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में अहमदाबाद तथा गुजरात का प्रतिनिधित्व किया। मैट कुश्ती में तकनीक, फुर्ती और रणनीति की अहम भूमिका होती है। पाठक जी ने आधुनिक प्रशिक्षण पद्धतियों को अपनाते हुए अपनी कुश्ती को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। वे फ्रीस्टाइल कुश्ती के सधे हुए दांव-पेच और संतुलित आक्रमण के लिए विशेष रूप से पहचाने जाते थे।

उत्तर प्रदेश के गोरापट्टी में जन्मे पाठक जी को बचपन से ही कुश्ती का शौक था। वर्ष 1983 में गुजरात आने के बाद उनके खेल जीवन को नई दिशा मिली। उस समय राज्य में मैट कुश्ती के प्रति जागरूकता सीमित थी, लेकिन उन्होंने लगातार अभ्यास और प्रतियोगिताओं में भाग लेकर इस खेल को लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।1983 से 2002 के बीच उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में आयोजित प्रतियोगिताओं में गुजरात का प्रतिनिधित्व किया और कई अहम मुकाबलों में जीत दर्ज की। जहां पारंपरिक मिट्टी की कुश्ती को ताकत का खेल माना जाता है, वहीं मैट कुश्ती में वैज्ञानिक प्रशिक्षण, फिटनेस और त्वरित निर्णय क्षमता जरूरी होती है। पाठक जी ने इन सभी पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया। प्रतियोगिताओं में उनका शानदार प्रदर्शन दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बना रहा।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

8 माह से लंबित मानदेय को लेकर मनरेगा कर्मचारियों में उबाल, सौंपा ज्ञापन

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड शाहगंज के खेतासराय-सोंधी क्षेत्र में

8 माह से लंबित मानदेय को लेकर मनरेगा कर्मचारियों में आक्रोश देखने को मिला। शनिवार को विकास खंड परिसर में मनरेगा कर्मचारी महासंघ उत्तर प्रदेश के आह्वान पर ग्राम रोजगार सेवक, तकनीकी सहायक, लेखा सहायक, कंप्यूटर ऑपरेटर और अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी सहित अन्य कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा।

अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी निपेंद्र बहादुर सिंह की अध्यक्षता में कर्मचारियों ने सहायक विकास अधिकारी प्रमोद सिंह को ज्ञापन देकर लंबित मानदेय के भुगतान की मांग की। कर्मचारियों का कहना है कि वे विभागीय कार्यों को पूरी जिम्मेदारी के साथ संपादित करते हैं और अन्य विभागों के कार्य भी करते हैं, लेकिन इसके बावजूद पिछले 8 महीनों से उनका मानदेय नहीं मिला है।

कर्मचारियों ने कहा कि होली जैसे बड़े त्योहार पर भी मानदेय का भुगतान नहीं होने से उनकी होली फीकी पड़ गई है और कई कर्मचारियों के सामने आर्थिक संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही उनका लंबित मानदेय भुगतान नहीं किया गया तो वे कार्य बहिष्कार करने को बाध्य होंगे।

इस मौके पर निशानाथ, उमाकांत, विनोद कुमार, पंकज, सुरेश, गिरीश, अनिल, रामलवट यादव, शिखा सिंह, साधना यादव, रमेश कुमार सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीबीएसई बोर्ड का आखिरी पेपर देकर मुस्कान के साथ बाहर निकले छात्र-छात्राएं, विक्ट्री दिखाकर जताई खुशी

इम्तियाज अहमद की रिपोर्ट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सीबीएसई बोर्ड की हाईस्कूल परीक्षा

का अंतिम पेपर सोशल साइंस समाप्त होने के बाद छात्र-छात्राएं खुशी और राहत के साथ परीक्षा केंद्रों से बाहर निकले। लंबे समय से चल रही बोर्ड परीक्षाओं के खत्म होने पर बच्चों के चेहरों पर मुस्कान साफ नजर आई।

परीक्षा केंद्र से बाहर निकलते ही छात्र-छात्राओं ने एक-दूसरे को बधाई दी और विक्ट्री साइन दिखाकर अपनी खुशी का इजहार किया। कई छात्र-छात्राएं अपने दोस्तों के साथ परीक्षा के अनुभव साझा करते हुए और आगे की योजनाओं पर चर्चा करते दिखाई दिए।

छात्रों ने बताया कि पहला पेपर गणित का था जो थोड़ा कठिन लगा, लेकिन इसके बाद इंग्लिश, साइंस, आईटी, हिंदी और सोशल साइंस के पेपर अपेक्षाकृत अच्छे रहे। अंतिम पेपर समाप्त होने के बाद सभी ने राहत महसूस की।

इस दौरान डालिम्स सनबीम स्कूल, हमाम दरवाजा बारादुआरिया, जनपद जौनपुर के छात्र-छात्राओं ने भी परीक्षा खत्म होने पर खुशी जताई। इस मौके पर मो. अफरीदी सिद्दीकी, आयुष सिंह, जमानत अब्बास, मयंक अस्थाना, एहजम जिलानी, अब्दुररब खान और अहद फरीद सहित कई छात्र-छात्राएं मौजूद रहे, जिन्होंने परीक्षा समाप्त होने पर खुशी जाहिर की।

ऑपरेशन के बाद विवाहिता की मौत, अस्पताल में हंगामा

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के बड़ागांव स्थित मां शांति हॉस्पिटल में ऑपरेशन के बाद एक विवाहिता की मौत हो जाने से

परिजनों में आक्रोश फैल गया। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन और चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। सूचना मिलने पर भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और किसी तरह लोगों को शांत कराया।

जानकारी के अनुसार दिपाईपुर गांव निवासी यशपाल की पत्नी रेखा देवी को बच्चेदानी के ऑपरेशन के लिए बड़ागांव स्थित मां शांति हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। परिजनों के मुताबिक शुक्रवार रात करीब 10 बजे चिकित्सक द्वारा उनका ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के बाद रेखा देवी की हालत बिगड़ने लगी।

परिजनों का आरोप है कि तबीयत खराब होने के बावजूद अस्पताल में कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था। कर्मचारियों ने फोन पर चिकित्सक से बात करने के बाद एक इंजेक्शन लगाया, लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ और रात करीब 3 बजे रेखा देवी की मौत हो गई। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि जांच की रिपोर्ट आने से पहले ही ऑपरेशन कर दिया गया था।

अस्पताल में हंगामे की सूचना मिलने पर क्षेत्राधिकारी अजीत सिंह चौहान समेत सर्किल के कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई। क्षेत्राधिकारी ने परिजनों को समझाकर शांत कराया और मामले में कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया। मृतका के देवर ने चिकित्सकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए तहरीर दी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच करते हुए आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है।

फर्जी पत्रकारों पर कार्रवाई की मांग, असली पत्रकारों की साख पर पड़ रहा असर: डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर। भारत प्रेस क्लब (रजि.) वाराणसी मंडल के अध्यक्ष डॉ. इम्तियाज अहमद ने जनपद में बढ़ते फर्जी पत्रकारों के मामले पर चिंता व्यक्त करते हुए प्रशासन और सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि इन दिनों कई ऐसे लोग सक्रिय हो गए हैं जो किसी भी मान्यता प्राप्त मीडिया संस्थान से जुड़े बिना ही फेसबुक और यूट्यूब चैनल बनाकर खुद को पत्रकार बताते हुए घूम रहे हैं।

उन्होंने कहा कि होली के अवसर पर गांव से लेकर शहर तक विभिन्न क्षेत्रों के बुद्धिजीवियों और जागरूक लोगों से मुलाकात के दौरान यह मुद्दा प्रमुख रूप से सामने आया। लोगों का कहना है कि कुछ लोग पत्रकारिता की आड़ में विभिन्न स्थानों पर जाकर वसूली करने का प्रयास करते हैं, जिससे पत्रकारिता की छवि धूमिल हो रही है।

डॉ. इम्तियाज अहमद ने कहा कि ऐसे तथाकथित लोग कुकुरमुत्ते की तरह पत्रकार बनकर घूम रहे हैं, जिससे आम लोगों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है। इसका सबसे ज्यादा नुकसान उन पत्रकारों को उठाना पड़ रहा है जो वास्तव में किसी समाचार पत्र, टीवी चैनल या मान्यता प्राप्त संस्थान से जुड़े होकर जिम्मेदारी के साथ पत्रकारिता कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जब वास्तविक पत्रकार किसी से मिलने जाते हैं तो सामने वाला असमंजस में पड़ जाता है कि कौन सही पत्रकार है और कौन नहीं। इससे पत्रकारिता की विश्वसनीयता पर भी असर पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि फर्जी पत्रकारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और पत्रकारों की पहचान तथा मान्यता की स्पष्ट व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि असली पत्रकारों की साख बनी रहे और समाज में पारदर्शिता कायम हो सके।

चैत्र रामनवमी व रमजान को लेकर हुई पीस कमेटी की बैठक

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। शनिवार को पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में आगामी रमजान माह एवं चैत्र रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से क्षेत्राधिकारी दुद्धी राजेश कुमार राय द्वारा कस्बा दुद्धी में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, धर्मगुरुओं, व्यापारियों एवं अन्य सम्भ्रांत नागरिकों के साथ संवाद स्थापित कर त्यौहारों के दौरान आपसी भाईचारा, सौहार्द एवं पारस्परिक सम्मान बनाए रखने की अपील की गई। क्षेत्राधिकारी द्वारा उपस्थित लोगों से कहा गया कि सभी लोग मिल-जुलकर त्यौहार मनाएं तथा किसी भी प्रकार की अफवाह, भ्रामक सूचना या आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट पर ध्यान न दें। यदि कहीं कोई संदिग्ध गतिविधि या विवाद की स्थिति उत्पन्न होती है तो उसकी सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को दें, जिससे समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

एक बार फिर दिखा उत्तरशक्ति खबर का असर

किसानों व अन्ना की दहाड़ से झुका बिजली विभाग: खड़ी फसल में तार खिंचाई पर लगी रोक, मुआवजे का मिला आश्वासन

एसडीएम और ट्रान्समिशन एसडीओ सचिन्द्र जायसवाल भारी संख्या में पुलिस बल ने मौके पर पहुँचकर माना अन्ना का पक्ष; किसानों को जल्द मिलेगा फसल बबार्दी का मुआवजा

शुभम कुमार यादव

गौराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर के दशरथा-बघन्द्रा गांव में बिजली विभाग की तानाशाही के खिलाफ समाजसेवी जज सिंह अन्ना का 'सत्याग्रह' रंग लाया। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में चल रहे कड़े विरोध और अन्ना के अड़ियल रवैये के आगे आखिरकार बिजली विभाग के अधिकारियों को घुटने टेकने पड़े। एसडीओ (आजमगढ़) ने मौके पर पहुँचकर यह घोषणा की कि किसानों की फसल को देखते हुए हाई वोल्टेज तार खींचने का काम तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है।

फसल कटने तक काम पर विराम: धरने पर बैठे अन्ना और क्षेत्रीय किसानों की मांग थी कि जब तक फसल कट नहीं जाती, तब तक खेतों में तारों की खिंचाई न की जाए, क्योंकि इससे अन्नदाता की साल भर की मेहनत चौपट हो रही थी। गरीब किसानों और अधिया (बटाई) पर खेती करने वाले परिवारों के सामने भुखमरी का संकट खड़ा हो गया था। अन्ना की तार्किक जिद के आगे अधिकारियों ने स्वीकार किया कि फसल कटने के बाद ही काम आगे बढ़ाया जाएगा।

मुआवजे के लिए भरी हुंकार, कोर्ट जाने की चेतावनी: अन्ना ने केवल काम रुकवाने पर ही संतोष नहीं किया, बल्कि पिछले 11 किलोमीटर की खिंचाई में जिन किसानों की फसल बर्बाद हुई है, उनके लिए उचित मुआवजे की मांग उठाई। उन्होंने एसडीओ को कड़े लहजे में चेतावनी दी कि यदि किसानों को एक-एक पैसे का मुआवजा नहीं मिला, तो न केवल आगे का काम रोका जाएगा, बल्कि अधिकारियों के खिलाफ हाईकोर्ट में मुकदमा भी दायर किया जाएगा।

शक्ति भवन (लखनऊ) से होगा भुगतान: अधिकारियों ने किसानों को आश्वस्त किया कि मुआवजा वितरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। एसडीओ ने बताया कि सभी प्रभावित काश्तकारों से फॉर्म भरवाए जा रहे हैं। जैसे ही डेटा एकत्र होगा, शक्ति भवन लखनऊ के माध्यम से एक से दो माह के भीतर किसानों के खातों में भुगतान कर दिया जाएगा।

अभी लड़ाई जारी है: मुआवजे के आश्वासन और काम रुकने के आधार पर अन्ना ने फिलहाल धरना समाप्त कर दिया है, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि वे इस संबंध में जल्द ही जिलाधिकारी जौनपुर को एक औपचारिक ज्ञापन सौंपेंगे ताकि शासन स्तर पर मुआवजे की प्रक्रिया में कोई ढिलाई न हो। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण और अन्नदाता मौजूद रहे, जिन्होंने इस जीत पर हर्ष व्यक्त किया। किसानों में राजपति यादव, श्रीपत, बबलू, रामचंद्र, विकाश यादव, विशाल, लालू, विजेंद्र राधे, सत्यम यादव सत्या, राज, बाबू, मोदी, लल्लन, रिंटु, कल्लू, पप्पू, लालसाहब, प्रिंस, रामकेश कुरेथू, सत्यम कुरेथु, विजय, विकास, अमन, ग्राम प्रधान नीरज यादव, राजेंद्र यादव पूर्व प्रधान सुभाष कुमार, रामकुमार, फूलचंद, विजय बहादुर, जज सिंह अन्ना, व गांव की महिलाओं ने धरना प्रदर्शन में बराबर सहयोग किया।

लापता किशोरी की नहर में मिली लाश, परिवार में मचा कोहराम

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के मयारी गांव से लापता किशोरी का शव चार दिन बाद शनिवार की सुबह घर से करीब पांच किलोमीटर दूर नहर की झाड़ियों में फंसा मिला। शव मिलने की सूचना मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतका (फाइल फोटो)

जानकारी के अनुसार मयारी गांव निवासी राम अचल की 15 वर्षीय पुत्री गोल्डी बुधवार पूर्वाह्न किसी बात से नाराज होकर घर से निकल गई थी। घर से लगभग दो सौ मीटर की दूरी पर स्थित शारदा नहर की पुलिया पर उसे बैठे हुए देखा गया था। इसके बाद से ही उसके नहर में कूदने की आशंका जताई जा रही थी। परिजनों की तहरीर पर सरपतहा पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी थी। पुलिस ने नहर में जाल डलवाकर गोताखोरों की मदद से खोजबीन भी कराई, लेकिन उस समय कोई सफलता नहीं मिल सकी। शनिवार की सुबह करीब 66 घंटे बाद सुइथाकला गांव के पास नहर की झाड़ियों में किशोरी का शव फंसा हुआ मिला। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है कि मृतका अपने माता-पिता की छह संतानों में सबसे छोटी थी और इस वर्ष उसने क्षेत्र के एक कॉलेज से हाईस्कूल की परीक्षा दी थी। घटना से परिवार में मातम पसरा हुआ है। इस संबंध में थानाध्यक्ष यजुवेंद्र सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पान व्यवसायी ने फांसी लगाकर दी जान, जांच में जुटी पुलिस

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के चेतगंज क्षेत्र के लहंगपुरा में शनिवार को पान व्यवसायी द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इससे परिवार में कोहराम मच गया। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं घटना की छानबीन में जुटी रही। राजेश चौरसिया (53 वर्ष) शहर के प्रसिद्ध पान बाजार नया पान दरीबा में पान, सिगरेट और पान मसाले के बड़े व्यवसायी रहे। उनका परिवार आर्थिक रूप से काफी संपन्न माना जाता है। अचानक उनके इस कदम से परिवार और आसपास के लोग स्तब्ध रह गए। घटना की सूचना मिलते ही चेतगंज थाना की पुलिस मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच शुरू कर दी। मौके पर थाना प्रभारी वीके शुक्ला तथा पान दरीबा चौकी प्रभारी रोहित तिवारी पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आवश्यक साक्ष्य जुटाने के लिए फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया, जिसने घटनास्थल की बारीकी से जांच की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। फिलहाल घटना के पीछे की वजह सामने नहीं आई है। पुलिस जांच में जुटी है।

भारतीय सेना की सेवा करने वालों का गांव बहा रहा आंसू

सैनिक बाहुल्य ग्राम बीरमपुर सरकारी सुविधाओं से कोसों दूर

अवकाशप्राप्त मानद कैप्टन ने डीएम से मिलकर दिया पत्रक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अवकाश प्राप्त मानद कैप्टन अशोक उपाध्याय ने जिलाधिकारी से मिलकर चकबन्दी प्रक्रिया पुनः प्रारम्भ कराने एवं सड़क निर्माण को लेकर ज्ञापन सौंपा। यह मांग जनपद के खुटहन क्षेत्र के बीरमपुर गांव की मूलभूत समस्याओं को लेकर की गयी है। जिलाधिकारी को दिये गये ज्ञापन के माध्यम से श्री उपाध्याय ने बताया कि उक्त गांव में लगभग 25 वर्ष पहले चकबन्दी प्रक्रिया प्रारम्भ हुई थी किन्तु विगत वर्ष बिना चकबन्दी पूर्ण हुये ही अभिलेख पुनः तहसील को वापस कर दिये गये। वर्तमान में गांव से सम्बन्धित समस्याओं के समाधान हेतु समुचित समन्वय एवं मार्गदर्शन के अभाव में ग्रामवासियों के हित से जुड़े कार्य अपेक्षित रूप से पूर्ण नहीं हो पा रहे हैं। श्री उपाध्याय ने बताया कि इसके अलावा गांव में सड़क मार्ग का अभाव है जिसके चलते ग्रामवासियों को आवागमन में अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। वहीं सड़क न होने से स्वास्थ्य सेवाओं, विद्यालय सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं तक पहुंचना भी कठिन हो जाता है। शिकायतकर्ता के अनुसार उक्त गांव सैनिक बाहुल ग्राम है जहां तमाम युवक भारतीय सेना, वायु सेना सहित अन्य सुरक्षा बलों में सेवा देकर देश की रक्षा कर रहे हैं। इसके बावजूद ग्रामवासी आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। कैप्टन अशोक उपाध्याय का ज्ञापन लेते हुये जिलाधिकारी डा. दिनेश चन्द्र ने तत्काल सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस पर त्वरित कार्यवाही की जाय।

बिजली का खंभा लगाने में फटी पेयजल की पाइप, दर्जनों गांवों की पेयजल आपूर्ति ठप

आक्रोशित ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया में बिजली की खंबा गाड़ने के दौरान मिसिरपुर-कन्दवा पेयजल की पाइप फट जाने के कारण दर्जनों गाँवो की पेयजल आपूर्ति बीते एक सप्ताह से ठप हो गयी है। जिससे नाराज होकर आक्रोशित ग्रामीणों ने पानी टंकी मिसिरपुर पहुँचकर धरना प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी वाराणसी व अधिशाषी अभियंता जल निगम का ध्यान आकृष्ट कराते हुए समस्या समाधान कराने का माँग किया।उन्होंने बताया है कि बिजली विभाग द्वारा सड़क के किनारे नए विद्युत पोल लगाने का काम किया जा रहा था उसी समय पेयजल आपूर्ति की मुख्य पाइप लाइन फट गया। जिससे पंडितपुर, करनाडाड़ी ,जगतपुर, घमहापुर, हरदत्तपुर, रमसीपुर, ढोलापुर, निदूअरा ,काशीपुर, देल्हना ,रामपुर, देऊरा, धनपालपुर इत्यादि दर्जनों गांव में पानी सप्लाई बंद हो गयी है लोग पीने के पानी के लिए तरस रहे है।

सिविल सेवा में 52 मुस्लिम अभ्यर्थियों की सफलता शिक्षा और मेहनत की ताकत का प्रतीक: अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लखनऊ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा के हालिया परिणामों में 52 मुस्लिम अभ्यर्थियों के चयन पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि यह सफलता केवल किसी एक समुदाय की नहीं, बल्कि पूरे देश की युवा शक्ति की मेहनत, शिक्षा के प्रति समर्पण और लोकतंत्र में समान अवसर की भावना का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि सिविल सेवा परीक्षा देश की सबसे कठिन और प्रतिष्ठित परीक्षाओं में से एक मानी जाती है। इसमें सफलता पाने वाले अभ्यर्थी अपने परिश्रम, धैर्य और प्रतिभा के बल पर प्रशासनिक सेवाओं में स्थान प्राप्त करते हैं और देश की सेवा करने का अवसर पाते हैं।

अरशद खान ने कहा कि यह उपलब्धि उन लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद शिक्षा और मेहनत के बल पर बड़े लक्ष्य हासिल करने का सपना देखते हैं। समाज में शिक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता और सकारात्मक माहौल के कारण आज अधिक से अधिक युवा प्रशासनिक सेवाओं तक पहुंच रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सिविल सेवा में चयनित अधिकारी किसी एक धर्म, जाति या समुदाय के प्रतिनिधि नहीं होते, बल्कि वे भारतीय संविधान के प्रति प्रतिबद्ध होकर पूरे देश और समाज की सेवा करते हैं। इसलिए इन सफलताओं को राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सद्भाव और जनसेवा की भावना से जोड़कर देखना चाहिए। उन्होंने सभी सफल अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि वे ईमानदारी, निष्पक्षता और संविधान के मूल्यों के साथ देश की सेवा करेंगे और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेंगे।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का जौनपुर में भव्य स्वागत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौ प्रतिपक्ष धर्मयुद्ध शंखनाद कार्यक्रम के तहत ज्योतिष पीठ के पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का शनिवार को जौनपुर आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। जिला कांग्रेस कार्यालय के पास स्थित कंचन कॉम्प्लेक्स में हजारों की संख्या में मौजूद लोगों ने शंखनाद और फूल-मालाओं के साथ उनका अभिनंदन किया।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि सनातन धर्म का मूल मंत्र अहिंसा है और जीवों पर दया तथा विश्व कल्याण इसकी मूल भावना है। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज गाय को माता के रूप में पूजता है, लेकिन वर्तमान समय में गौ माता की सुरक्षा और सम्मान को लेकर संत समाज चिंतित है। उन्होंने कहा कि गौ माता को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान और सुरक्षा मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा।

उन्होंने उपस्थित लोगों से 11 मार्च को लखनऊ पहुंचने का आह्वान करते हुए कहा कि सरकार से भारत में बीफ के कारोबार को बंद करने और गौ माता को पूर्ण संरक्षण देने की मांग की जाएगी। कार्यक्रम में

कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने शंकराचार्य जी का पादुका पूजन, आरती और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के आयोजक रामसूरत यादव ने सभी अतिथियों और उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया, जबकि सभा का संचालन कांग्रेस नेता राकेश मिश्रा ने किया। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष रामचन्द्र मिश्र, शहर कांग्रेस अध्यक्ष आरिफ खान, सत्यवीर सिंह, देवराज पांडेय, शेर बहादुर सिंह, संतोष गिरी, रेखा सिंह, राजकुमारी मिश्रा, विनय तिवारी, डॉ. राकेश मिश्रा, मंगला गुरु, विपिन शर्मा, शैलेश तिवारी, महात्मा शुक्ला, विजय वर्मा, अनिल दुबे आजाद, कृष्णचंद निषाद, धीरज उपाध्याय, अरविंद यादव, इरशाद खान, अमित तिवारी, राकेश सिंह डब्बू, अनुराग पांडेय, जब्बार अली सलमानी, राम सिंह बकोरे, प्रवेश निषाद, नरेंद्र प्रताप, बबलू गुप्ता, संदीप निषाद, शिव प्रसाद पटेल, सुरेश चंद्र दुबे, लोकेश दुबे सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

चंद्रगुप्त, अशोक और अकबर जैसे महान शासकों की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं अखिलेश यादव: अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि भारत का इतिहास केवल राजाओं और साम्राज्यों का इतिहास नहीं है, बल्कि दूरदर्शी नेतृत्व, नैतिक शासन और जनकल्याण की महान परंपरा का इतिहास भी है। उन्होंने कहा कि जब-जब देश कठिन दौर से गुजरा है, तब-तब ऐसे महान नेता सामने आए हैं जिन्होंने समाज को एकता, न्याय और प्रगति की दिशा दिखाई है। उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में चंद्रगुप्त मौर्य, अशोक और अकबर जैसे शासक महान और प्रेरणादायी नेतृत्व के प्रतीक रहे हैं। इनका इतिहास केवल सत्ता का नहीं बल्कि न्याय, कुशल प्रशासन, धार्मिक सहिष्णुता और जनकल्याण के आदर्शों का इतिहास है।

अरशद खान ने कहा कि चंद्रगुप्त मौर्य ने बिखरे हुए भारत को एक मजबूत और संगठित राज्य के रूप में स्थापित किया। वहीं सम्राट अशोक ने युद्ध की भयावहता देखने के बाद करुणा, शांति और नैतिक शासन का मार्ग अपनाया। उनके शासनकाल में

सड़कों, अस्पतालों और जनहित से जुड़े कई कार्य हुए, जो एक मानवीय शासन का उदाहरण हैं।

उन्होंने आगे कहा कि सम्राट अकबर ने ह्रसुलह-ए-कुलह्र की नीति स्थापित कर सभी धर्मों और समुदायों के बीच समान सम्मान और सौहार्द की भावना को मजबूत किया, जो भारत की गंगा-जमुनी तहजीब और बहुलतावादी संस्कृति की पहचान है।

अरशद खान ने कहा कि वर्तमान समय में देश को ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो सामाजिक सौहार्द को मजबूत करे, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करे और सभी वर्गों के लिए समावेशी विकास सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में इन ऐतिहासिक आदर्शों की झलक दिखाई देती है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान अखिलेश यादव ने एक्सप्रेसवे, मेट्रो रेल परियोजनाओं, आईटी सिटी के विकास तथा शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू कीं, जो प्रदेश के विकास की दिशा में बड़े कदम थे।

अंत में अरशद खान ने कहा कि भारत का इतिहास हमें यह सिखाता है कि कोई भी राष्ट्र तभी महान बनता है जब उसका नेतृत्व दूरदर्शी, समावेशी और जनकल्याण के प्रति समर्पित हो।

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र में शोक सभा, अधिवक्ता राजेश यादव के पिता को दी श्रद्धांजलि

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र द्वारा शनिवार को एक शोक सभा का आयोजन किया गया। सभा की अध्यक्षता वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन कुमार सिंह एडवोकेट ने की। इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश कुमार यादव के पिता के आकस्मिक निधन पर अधिवक्ताओं ने दो मिनट का मौन रखकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सभा को संबोधित करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. रियाजुद्दीन खान ने कहा कि डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन की ओर से अधिवक्ता राजेश कुमार यादव के पिता के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया जाता है। इस दुख की घड़ी में हमारी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता हरि प्रसाद यादव ने कहा कि आज हम सभी एक महान आत्मा को श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्रित हुए हैं, जिन्होंने अधिवक्ता राजेश यादव के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका निधन एक अपूरणीय क्षति है, लेकिन उनकी यादें और आदर्श हमेशा लोगों के बीच जीवित रहेंगे। शोक सभा में प्रेम प्रताप विश्वकर्मा, चंद्र प्रकाश सिंह, बीपी सिंह, सुरेश कुशवाहा, अशोक कनौजिया, शैलेंद्र कुमार, संतोष यादव, रविंद्र पटेल, प्रीति सिंह, राम गुल्ली, राकेश सिंह पटेल, गोबिंद, शाहनवाज आलम खान सहित कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

खेत में सरसों काटने गए बड़े पिता-भतीजे पर हमला, दोनों घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के भवानीपुर गांव में खेत को लेकर हुए विवाद में बड़े पिता और भतीजे पर लाठी-डंडे व धारदार हथियार से हमला कर दिया गया। हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है।

बताया जाता है कि भवानीपुर गांव निवासी भूपेंद्र नाथ तिवारी (52) और आकाश (30) पुत्र धीरेंद्र तिवारी शनिवार सुबह अपने बैनामा कराए गए खेत में सरसों काटने गए थे। आरोप है कि इसी दौरान खेत का बैनामा करने वाले रामप्रसाद अपने परिवार के कुछ लोगों के साथ मौके पर पहुंच गए और दोनों पर लाठी-डंडे व धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन उन्हें तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। फिलहाल दोनों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। इस संबंध में थाना प्रभारी अमित सिंह ने बताया कि आरोपी और घायल पक्ष आपस में पट्टीदार हैं। खेत में सरसों काटने को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद मारपीट की घटना हुई। पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

लेन-देन में युवक को बुरी तरह से पीटा, मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर तहसील क्षेत्र के कुशहां गांव में एक युवक राजीव जैसवार की कथित मारपीट के बाद मौत हो गई है। परिजनों ने आरोप लगाया है कि पैसे के लेन-देन के विवाद में दो लोगों ने राजीव को बुरी तरह पीटा, जिससे उनकी हालत गंभीर हो गई और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, राजीव जैसवार रामनगर बाजार में एक व्यापारी के यहां ड्राइवर का काम करते थे। उन्होंने कुछ समय पहले आर्थिक तंगी के कारण अपने मालिक से कुछ रुपए उधार लिए थे। इसी लेन-देन को लेकर विवाद चल रहा था। आरोप है कि राजीव अपने साले के साथ रामनगर बाजार पहुंचे थे, जहां पहले से मौजूद दो लोगों ने उनसे अपने पैसे की मांग करते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। परिजनों का आरोप है कि राजीव द्वारा विरोध करने पर दोनों लोगों ने मिलकर उन्हें लात-घूंसों से बुरी तरह पीटा। बीच-बचाव करने पर भी आरोपियों ने धमकी दी। गंभीर हालत में परिजनों ने राजीव को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। कुछ दिनों के इलाज के बाद शनिवार सुबह उनकी मौत हो गई। मृतक का शव उनके निवास स्थान बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के घनश्यामपुर कुशहां पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया। मामला बढ़ता देख एसपी ग्रामीण अतिश कुमार सिंह, बदलापुर एसडीएम योगिता सिंह, सीओ सुनील कुमार और बदलापुर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक शेष कुमार शुक्ला भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों को समझा-बुझाकर मामले की जांच और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

रेणुकूट में निषाद समाज का भव्य होली मिलन समारोह

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। रेणुकूट में निषाद समाज के लोगों द्वारा भव्य होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज के लोगों ने एक-दूसरे को रंग और गुलाल लगाकर होली की बधाई दी और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। कार्यक्रम में रेणुकूट, पिपरी और खाड़पाथर क्षेत्र से बड़ी संख्या में निषाद समाज के लोग शामिल हुए। यह कार्यक्रम निषाद कल्याण सभा रेणुकूट सोनभद्र के तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य समाज के लोगों को एकजुट करना और उनके बीच प्रेम व एकता को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में म्योरपुर ब्लॉक के ब्लॉक प्रमुख मानसिंह गौड़ तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में चोपन से आए रोहित बिन्द और अनपरा से आए भोला निषाद मौजूद रहे। सभी अतिथियों ने मंच से समाज के लोगों को एकजुट रहने का संदेश दिया और कहा कि एकता के बल पर ही समाज और देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राजकुमार साहनी ने कहा कि निषाद समाज को आगे बढ़ाने और जागरूक करने के लिए वह हर संभव प्रयास करते रहेंगे, ताकि समाज के लोग शिक्षा और संगठन के माध्यम से प्रगति कर सकें। उपाध्यक्ष राजपति साहनी ने कहा कि निषाद समाज को आगे बढ़ने के लिए जागरूक होने की आवश्यकता है और इसके लिए संगठन लगातार प्रयास कर रहा है। वहीं कोषाध्यक्ष शिव नरेश ने बताया कि रेणुकूट में संगठन को बने अभी चार महीने ही हुए हैं, लेकिन समाज के लोग तेजी से संगठन से जुड़ रहे हैं और जल्द ही सभी निषाद भाइयों को एक सूत्र में जोड़ने का लक्ष्य पूरा किया जाएगा। कार्यक्रम में संगठन मंत्री मंगल चौधरी, राजमनी चौधरी, सचिव रवि साहनी, महासचिव अजीत चौधरी, अनिल बिंद, राजेश बम, टिंकू चौधरी, कैलाश निषाद, जवाहिर प्रसाद, दशरथ कश्यप, सूरजदेव चौधरी, वीरेंद्र नाथ चौधरी, दीपक बिंद, डॉ. सुरेंद्र साहनी, गजधर चौधरी सहित सैकड़ों सदस्य मौजूद रहे।

आरटीआई में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: राज्य सूचना आयुक्त

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राज्य सूचना आयुक्त ने शनिवार को नगर तहसील स्थित डाकबंगले में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि आरटीआई के तहत आने वाले आवेदनों का समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से निस्तारण किया जाए। समीक्षा के दौरान शिक्षा विभाग, विद्युत विभाग तथा प्रशासनिक अधिकारियों से विभागीय कार्यों और आरटीआई के तहत प्राप्त आवेदनों की स्थिति की जानकारी ली गई। राज्य सूचना आयुक्त ने कहा कि सूचना का अधिकार अधिनियम पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण कानून है, इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनदेखी स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी आवेदक को निर्धारित समय सीमा के भीतर सूचना उपलब्ध नहीं कराई जाती है तो संबंधित अधिकारी अधिनियम के तहत दंड के भागी होंगे। ऐसे मामलों में विभागीय कार्रवाई के साथ आर्थिक दंड भी लगाया जा सकता है। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि आरटीआई से जुड़े सभी मामलों का रिकॉर्ड व्यवस्थित रखा जाए और आवेदनों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। साथ ही कर्मचारियों को आरटीआई कानून की बेहतर जानकारी के लिए समय-समय पर प्रशिक्षण आयोजित करने पर भी जोर दिया, ताकि आम नागरिकों को सूचना प्राप्त करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। बैठक में उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, कानूनगो, खंड शिक्षा अधिकारी तथा विद्युत विभाग के अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे।

5000 विद्यार्थियों को मिला नि :शुल्क शिक्षण व खेल सामग्री, सांसद मनोज तिवारी बोले शिक्षा ही राष्ट्र निर्माण की आधारशिला

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर क्षेत्र के कम्पोजिट विद्यालय शाहपुरसानी में शनिवार को 5000 विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षण एवं खेल-कूद सामग्री वितरित करने के लिए भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सांसद एवं अभिनेता मनोज तिवारी, विशिष्ट अतिथि महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह, बदलापुर विधायक रमेश चन्द्र मिश्र, जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र तथा पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि जौनपुर की पावन धरती से उन्हें विशेष लगाव है और यहां आकर उन्हें अत्यंत हर्ष की अनुभूति होती है। बच्चों की बड़ी संख्या में उपस्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि यही बच्चे देश का भविष्य हैं। जितने अधिक बच्चे शिक्षित होंगे, समाज उतना ही सशक्त और समृद्ध बनेगा। उन्होंने प्रत्येक बच्चे को आवश्यक शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराने पर जोर दिया और पीली नदी के जीर्णोद्धार कार्य की भी सराहना की।

विशिष्ट अतिथि कृपाशंकर सिंह ने कार्यक्रम के भव्य आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि जौनपुर प्रतिभाओं की भूमि है। उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा में चयनित युवाओं, उनके अभिभावकों और गुरुओं को बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की मंशा है कि जो विद्यार्थी प्राथमिक विद्यालयों से पढ़कर ऊंचे पदों पर पहुंचे हैं, वे अपने पुराने विद्यालयों में जाकर छात्रों को अपने अनुभवों से प्रेरित करें। विधायक रमेश चन्द्र मिश्र ने कहा कि बदलापुर विधानसभा क्षेत्र में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा लगातार उत्कृष्ट कार्य किए जा रहे हैं। शासन की ओर से बच्चों को बैग, जूते, मोजे और मध्यान्ह भोजन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सामुदायिक सहभागिता के तहत विद्यालय के पुरातन छात्र सतीश तिवारी द्वारा 5000 विद्यार्थियों को शिक्षण व खेल सामग्री उपलब्ध कराना अत्यंत सराहनीय पहल है।

जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने कविता के माध्यम से बच्चों को वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा और खेल के अवसर प्रदान करना है, ताकि वे आगे चलकर समाज और देश के विकास में योगदान दे सकें।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षण सामग्री और खेल-कूद से संबंधित आवश्यक वस्तुएं वितरित की गईं। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख ब्रजेश यादव, रोहित उपाध्याय, खंड शिक्षा अधिकारी अरविंद पांडेय, अभिनव तिवारी, अवधेश यादव, मंडल अध्यक्ष शनि शुक्ला, सिद्धार्थ सिंह, बबलू चौहान, लवकुश सिंह सहित बड़ी संख्या में अभिभावक, शिक्षक और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों के प्रति आभार बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ०गोरखनाथ ने व्यक्त किया।

सम्पूर्ण समाधान दिवस पर तहसील शाहगंज में डीएम व एसएसपी ने सुनीं जनसमस्याएं

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर शनिवार को तहसील शाहगंज में जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने पहुंचकर जनता की समस्याओं की सुनवाई की। इस दौरान बड़ी संख्या में फरियादी अपनी शिकायतों और समस्याओं को लेकर तहसील पहुंचे।

जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने लोगों की शिकायतों को धैर्यपूर्वक सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान राजस्व, पुलिस, विकास तथा अन्य विभागों से संबंधित मामलों की सुनवाई की गई। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कर उसकी रिपोर्ट शीघ्र उपलब्ध कराई जाए। इस अवसर पर तहसील के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे और जनसमस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक

माता-पिता की सेवा से ही ईश्वर की कृपा संभव: संतोष जी महाराज

जौनपुर । माता-पिता की सेवा करने से जीवन में सुख, शांति, सफलता, आयु, विद्या, बल और यश मिलता है, साथ ही ईश्वर की कृपा होती है और आत्मिक संतोष की प्राप्ति होती है; यह धरती पर स्वर्ग के समान है और इसे भगवान की सेवा से भी बढ़कर माना जाता है। इससे समाज में अच्छे संस्कार और आपसी रिश्ते मजबूत होते हैं। बदलापुर थाना अंतर्गत स्थित कमालपुर गांव में आयोजित श्रीमद भागवत धर्म कथा के दूसरे दिन कथा व्यास से बोलते हुए अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक संतोष जी महाराज ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों का अपमान करके कोई व्यक्ति आगे नहीं बढ़ सकता। मुख्य यजमान के रूप में दुर्गावती तिवारी पत्नी राधेश्याम तिवारी तथा कमलेश तिवारी पत्नी घनश्याम तिवारी प्रतिदिन पूजा और आरती कर रही हैं। कार्यक्रम का आयोजन लाल बिहारी तिवारी, डॉ राजेश्वर तिवारी और समस्त तिवारी परिवार की तरफ से किया गया है। जयप्रकाश तिवारी, प्रमोद तिवारी ,नरेंद्र ,विनय, मनोज, संजय, अरविंद, संतोष, आनंद, शिवम, आकाश, आशीष, अथर्व, आयुष ,सांची तथा प्रेया आगंतुकों का स्वागत सम्मान कर रहे हैं। कल कथा के पहले दिन सांसद सीमा द्विवेदी, राजेंद्र प्रसाद तिवारी, त्रिवेणी तिवारी, जयप्रकाश तिवारी, अशोक तिवारी, नंदलाल, रामपाल तिवारी, रवींद्र तिवारी, महेंद्र तिवारी, दशरथ यादव, पंडित यादव, दिनेश तिवारी, नन्हकू तिवारी शामिल हुए। आज की कथा में उपस्थित प्रमुख लोगों में वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, बंशीधर तिवारी,रामकृष्ण दुबे, रंगराज दुबे, बद्री दुबे ,पूर्व प्रमुख सूर्यनाथ शुक्ला, अखिलेश दुबे,अशोक कुमार पांडे, हृदय प्रकाश तिवारी, शशिधर तिवारी, रामफेर पांडे, सागर दुबे, जोखन प्रसाद तिवारी, लालता प्रसाद तिवारी, रमेश तिवारी, काशीनाथ तिवारी, पन्नालाल तिवारी, सुभाष सेठ, संतोष दुबे, अच्छे लाल दुबे आदि का समावेश रहा।

महिला दिवस विशेष: ई-रिक्शा का हैंडल थाम आत्मनिर्भर बनीं ग्रामीण महिलाएं, बच्चों को अफसर बनाने का संकल्प

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में महिला सशक्तिकरण की प्रेरणादायक तस्वीर सामने आई है। यहां स्वयं सहायता समूह से जुड़ी ग्रामीण महिलाएं ई-रिक्शा चलाकर न केवल आत्मनिर्भर बन रही हैं, बल्कि अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा देकर उन्हें बड़ा अधिकारी बनाने का सपना भी संजोए हुए हैं। आराजी लाइन क्षेत्र के कई गांवों की महिलाएं अब सड़कों पर ई-रिक्शा चलाती नजर आ रही हैं। हरसोस गांव की सीता, पिलोरी गांव की शारदा और बेनीपुर गांव की अनीता व सुमन ने इस पहल के जरिए यह साबित कर दिया है कि दृढ़ संकल्प और मेहनत के बल पर महिलाएं किसी भी क्षेत्र में सफलता हासिल कर सकती हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए इन महिलाओं ने ई-रिक्शा चलाने का साहसिक कदम उठाया है। पिलोरी गांव की शारदा बताती हैं कि उनका सपना है कि उनके बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त कर बड़े अधिकारी बनें। इसी उद्देश्य से उन्होंने ई-रिक्शा चलाना शुरू किया और अपनी आय का बड़ा हिस्सा बच्चों की पढ़ाई पर खर्च करने का निर्णय लिया है। वहीं बेनीपुर की अनीता का कहना है कि आर्थिक तंगी के कारण वह काफी परेशान थीं। इसके बाद वह स्वयं सहायता समूह से जुड़ीं और ई-रिक्शा चलाने का फैसला किया। शुरूआत में उन्हें सड़क पर वाहन चलाने में डर लगता था, लेकिन अब वह आत्मविश्वास के साथ यह काम कर रही हैं।

हरसोस गांव की सीता बताती हैं कि उन्हें आंगनवाड़ी केंद्रों तक बच्चों के लिए भोजन और नाश्ता पहुंचाने का काम करके बेहद संतोष मिलता है। उनके इस प्रयास से गांव की अन्य महिलाएं भी प्रेरित हो रही हैं और ई-रिक्शा चलाने के लिए आगे आ रही हैं। सामाजिक संस्था लोक समिति के संयोजक नंदलाल मास्टर ने बताया कि प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम नागेपुर में कार्यरत लोक समिति को फीडिंग इंडिया की ओर से चार नए ई-रिक्शा उपहार स्वरूप मिले हैं। इन ई-रिक्शों के माध्यम से जनता रसोई घर में कार्यरत स्वयं सहायता समूह की महिलाएं बेनीपुर और कुरौना सेक्टर के 11 गांवों के 78 आंगनवाड़ी केंद्रों तक प्रतिदिन लगभग 2000 बच्चों के लिए नाश्ता और भोजन पहुंचा रही हैं। उन्होंने बताया कि कुछ महीने पहले फीडिंग इंडिया के सीईओ अजीत सिंह लोक समिति आश्रम नागेपुर पहुंचे थे। वहां महिलाओं द्वारा संचालित कम्युनिटी किचन ह्यजनता रसोई घरह्न के कार्यों से प्रभावित होकर उन्होंने महिलाओं को ई-रिक्शा उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया था। इसके बाद आशा ट्रस्ट और लोक समिति के सहयोग से महिलाओं को ई-रिक्शा चलाने का प्रशिक्षण दिया गया। ग्रामीण क्षेत्र की ये महिलाएं ई-रिक्शा चलाकर न केवल आत्मनिर्भर बन रही हैं, बल्कि समाज में महिला सशक्तिकरण की नई मिसाल भी पेश कर रही हैं। महिलाओं ने इस पहल के लिए फीडिंग इंडिया और सहयोगी संस्थाओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

ग्लोबल डायमंड आइकॉन अवॉर्ड 2026 से सम्मानित होंगे डॉ. बृजेश महादेव

-सुशील कुमार तिवारी

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। बेसिक शिक्षा विभाग के नवाचारी शिक्षक एवं समाजसेवी डॉ. बृजेश कुमार सिंह ह्लमहादेवह्न का चयन ग्लोबल डायमंड आइकॉन अवॉर्ड 2026 के लिए किया गया है। यह सम्मान 5 अप्रैल 2026 को जयपुर (राजस्थान) में आयोजित ग्लोबल डायमंड आइकन अवॉर्ड एवं अंतरराष्ट्रीय मैत्री सम्मेलन के दौरान प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन भव्य फाउंडेशन, जयपुर द्वारा किया जा रहा है। फाउंडेशन की निदेशक डॉ. निशा माथुर और संस्थापक शैलेंद्र माथुर ने ई-मेल के माध्यम से डॉ. बृजेश महादेव के चयन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस समारोह में देश-विदेश के कई विशिष्ट अतिथि, शिक्षाविद् तथा मंत्रीगण भी उपस्थित रहेंगे। सोनभद्र जनपद के निवासी डॉ. बृजेश महादेव वर्तमान में पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय पल्हारी, नगवां में सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। इसके साथ ही वह ब्लॉक स्काउट मास्टर नगवां के रूप में भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्हें शिक्षा, साहित्य और समाजसेवा के क्षेत्र में दीर्घकालीन योगदान और उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए यह सम्मान दिया जा रहा है। डॉ. बृजेश महादेव एक प्रख्यात शिक्षाविद्, समाजसेवी और दूरदर्शी व्यक्तित्व के रूप में जाने जाते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान केवल कक्षा शिक्षण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्होंने शैक्षिक संस्थानों के विकास, नवाचार और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए भी महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। उन्हें शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए एशियन एजुकेशन अवॉर्ड, नेशनल बिल्डर्स अवॉर्ड और राज्य आईसीटी अवॉर्ड जैसे कई प्रतिष्ठित सम्मानों से भी सम्मानित किया जा चुका है। साथ ही वह एक सक्रिय स्काउट मास्टर के रूप में भी समाज में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। डॉ. बृजेश महादेव ने समाज के शैक्षिक और बौद्धिक विकास के लिए एक दर्जन से अधिक विद्यालयों और पुस्तकालयों की स्थापना व संचालन में अहम भूमिका निभाई है। इसके अलावा उन्होंने एक दर्जन से अधिक पुस्तकों का लेखन और प्रकाशन भी किया है, जो शिक्षा और समाज के लिए उपयोगी साबित हो रही हैं। वर्तमान में वह राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ सोनभद्र के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष भी हैं। उनकी इस उपलब्धि पर क्षेत्र के शिक्षकों, समाजसेवियों और शुभचिंतकों ने उन्हें अग्रिम बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

जौनपुर के दीपक सिंह बने भाजयुमो मुंबई प्रदेश अध्यक्ष, कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंबई जौनपुर जिले के मड़ियाहूं तहसील क्षेत्र के भरतीपुर गांव के निवासी दीपक आजाद सिंह को भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) मुंबई का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और भाजपा मुंबई अध्यक्ष विधायक अमित साटम द्वारा की गई है। इस नियुक्ति के बाद जौनपुर जिले में खुशी की लहर दौड़ गई है। बताया जा रहा है कि पूर्वांचल से आने वाले युवाओं में दीपक सिंह पहले ऐसे कार्यकर्ता हैं जिन्हें भाजयुमो मुंबई में इतनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। सामान्य पृष्ठभूमि से आने वाले दीपक सिंह की शिक्षा एमबीए तक हुई है और उनकी जन्म व कर्मभूमि मुंबई ही रही है।

दीपक सिंह ने अपनी राजनीतिक यात्रा की शुरूआत धारावी विधानसभा क्षेत्र से युवा मोर्चा के वार्ड महामंत्री के रूप में की थी। इसके बाद उन्होंने मंडल उपाध्यक्ष, मंडल महामंत्री, मुंबई उपाध्यक्ष और मुंबई युवा मोर्चा महामंत्री जैसे कई महत्वपूर्ण दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। संगठन में उनकी सक्रियता, जमीनी कार्यशैली और युवाओं के बीच मजबूत पकड़ को देखते हुए उन्हें अब मुंबई अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने सामाजिक कार्य, स्वास्थ्य शिविर, युवा उत्थान, खेलकूद गतिविधियों और पार्टी की विचारधारा के प्रचार-प्रसार में सक्रिय भूमिका निभाई। साथ ही कार्यकताओं को संगठित करने और जन मुद्दों को लेकर सड़क पर उतरकर आंदोलन करने में भी वे अग्रणी रहे हैं। नियुक्ति पर दीपक सिंह ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, भाजपा मुंबई अध्यक्ष अमित साटम और पूर्व भाजयुमो मुंबई अध्यक्ष तेजिंदर सिंह तिवाना सहित सभी वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी उनके लिए सेवा का नया अवसर है और वे संगठन को मजबूत करने, युवाओं को जोड़ने तथा मुंबई और देश के विकास में योगदान देने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी ने एक सामान्य कार्यकर्ता पर जो विश्वास जताया है, उसे वह पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाने का प्रयास करेंगे। उनका लक्ष्य मुंबई के हर युवा तक भाजपा की विचारधारा और सरकार की जनहितकारी योजनाओं को पहुंचाना है।

भागलपुर के लोगो ने नए खुले मेगाशॉप का गर्मजोशी से स्वागत किया

भागलपुर। मेगाशॉप, वैल्यू फैशन सेगमेंट में ग्राहकों की पसंदीदा शॉपिंग डेस्टिनेशन ने भागलपुर में अपने नए स्टोर के लॉन्च की घोषणा की। मेगाशॉप एक संपूर्ण पारिवारिक फैशन स्टोर है जो निमार्ताओं और ग्राहकों के बीच बिचौलियों को हटाकर, हर वर्ग के लोगों के लिए उचित दामों पर आधुनिक और फैशनेबल सामान लाता है। भागलपुर में नया स्टोर सी.एम. टावर, डी.एन. सिंह रोड, नागरमल के पास, खरमनचक, भागलपुर, बिहार में स्थित है। यह स्टोर 14000 वर्ग फुट क्षेत्र में फैला हुआ है।

लॉन्च की घोषणा करते हुए हेमंत अग्रवाल, मेगाशॉप के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर ने कहा, भागलपुर जैसे समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और जीवंत जीवनशैली वाले शहर में अपना नया स्टोर खोलना हमारे लिए बेहद खुशी और गर्व का क्षण है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में हमारे अन्य स्टोर्स को मिले शानदार प्रतिसाद को देखते हुए हमने भागलपुर के ग्राहकों को भी वही बेहतरीन शॉपिंग अनुभव प्रदान करने का निर्णय लिया। हमारा निरंतर प्रयास रहा है कि ग्राहकों को श्रेष्ठ गुणवत्ता का मर्चेंडाइज, उत्कृष्ट सेवा और एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का संपूर्ण शॉपिंग अनुभव मिले। भागलपुर में यह नया स्टोर हमारे लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। लॉन्च के विशेष अवसर पर हम हर खरीदारी पर अपने ग्राहकों को आकर्षक मुफ्त उपहार प्रदान कर रहे हैं। हमारे इस नए स्टोर में बेहतरीन गुणवत्ता वाले उत्पादों का संग्रह बेहद किफायती कीमतों पर उपलब्ध है। नया शोरूम विशाल आंतरिक सज्जा के साथ एक बड़े क्षेत्र में फैला हुआ है। नए स्टोर में युवाओं के लिए एक जीवंत और ट्रेंडी रेंज उपलब्ध है, जिसमें पुरुषों के लिए शर्ट, टी-शर्ट, पैंट, जींस, ट्रैक सूट, शेरवानी, कुर्ता-पायजामा, सूट और महिलाओं के लिए फैंसी टॉप, कुर्ती, जींस, शादी की साड़ियाँ, शादी के डिजाइनर सूट, लेगिंग, पजामा और हरेम पैंट शामिल हैं। आपके बच्चों के लिए भी कपड़ों की एक विशाल विविधता उपलब्ध है।

स्नेहा दुबे पंडित की अध्यक्षता में वसई तालुका कंडलवन समिति की बैठक सम्पन्न

वसई। वसई तालुका में मैंग्रोव (कंडलवन) जंगलों की सुरक्षा और संरक्षण को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक शनिवार, 7 मार्च 2026 को नालासोपारा पश्चिम स्थित उप-विभागीय अधिकारी (एसडीओ) कार्यालय में आयोजित की गई। यह बैठक वसई विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्रीमती स्नेहा ताई दुबे पंडित की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

बैठक का मुख्य उद्देश्य वसई तालुका में पर्यावरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मैंग्रोव वनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, अवैध कटाई पर रोक लगाना तथा सरकारी भूमि पर हो रहे अतिक्रमण को रोकने के लिए ठोस उपायों पर चर्चा करना था। वसई-विरार क्षेत्र में तेजी से हो रहे शहरीकरण और मैंग्रोव वनों पर बढ़ते दबाव को देखते हुए इस बैठक को विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बैठक के दौरान विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने मैंग्रोव वन प्रकोष्ठ, मुंबई के अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक एस. वी. रामाराव को क्षेत्र की स्थिति से अवगत कराया। यह बैठक 1 मार्च 2026 को नायगांव-वसई क्षेत्र में मैंग्रोव वनों के निरीक्षण के दौरान उठाए गए मुद्दों पर की गई कार्रवाई की समीक्षा के लिए आयोजित की गई थी।

इस दौरान मैंग्रोव वनों की अवैध कटाई, सरकारी भूमि पर अतिक्रमण, पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में मैंग्रोव वनों की भूमिका तथा भविष्य में मैंग्रोव पार्क स्थापित करने जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि मैंग्रोव वन पर्यावरण की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन हैं। इसलिए इनकी अवैध कटाई, भूमि हड़पने अथवा अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ प्रशासन बिना किसी समझौते के सख्त कार्रवाई करे। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जिन निजी स्वामित्व वाली जमीनों पर मैंग्रोव वन काटे गए हैं, उनका पंचनामा तैयार किया जाए और माननीय हाई कोर्ट के आदेशों के अनुसार आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित विकास प्राधिकरण, यानी वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन को सूचित किया जाए। साथ ही विभिन्न विभागों को आपसी समन्वय के साथ मैंग्रोव संरक्षण के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए गए। विधायक ने संबंधित राजस्व अधिकारियों को 15 मई 2026 तक मैंग्रोव वन क्षेत्र में आने वाली जमीनों को मैंग्रोव फॉरेस्ट विभाग को हस्तांतरित करने की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश भी दिए। बैठक में लोगों को मैंग्रोव वनों के महत्व के बारे में जागरूक करने, पर्यावरण संरक्षण के लिए जनजागरण बढ़ाने तथा भविष्य में मैंग्रोव पार्क विकसित कर पर्यावरण अनुकूल विकास को बढ़ावा देने जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की गई।

बैठक में उप-विभागीय अधिकारी एवं उप-विभागीय मजिस्ट्रेट वसई शेखर घाडगे, तहसीलदार एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट दीपक गायकवाड़, नायगांव पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संजय दत्तू हजारे, वसई-विरार शहर महानगरपालिका वार्ड समिति जी के सहायक आयुक्त निलेश म्हात्रे, कंडलवन डिवीजन पालघर के वन क्षेत्र अधिकारी प्रतीक मोदवान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त ठाणे एरिया ऑफिसर प्रमोद लोन, वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के सीनियर क्लर्क सुभाष जाधव, फिशरीज विभाग वसई के लाइसेंसिंग ऑफिसर विनोद लहरे, असिस्टेंट रेवेन्यू ऑफिसर राहुल राठौड़, रेवेन्यू असिस्टेंट प्रवीण लोखंडे, मंगेश देसाई, मंडल अधिकारी सुनील राठौड़, मंडल अधिकारी अरुण मुतडक सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में भाजपा वसई-विरार सिटी जिला महासचिव बिजेंद्र कुमार, जिला सचिव प्रवीण गावड़े, संदीप पाटिल, धरेंद्र कुलकर्णी, सुनील पांडे और अन्य पदाधिकारी भी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

अमेजन थिंक बिग साइंस कार्निवल 2026 में दिखी युवा इनोवेटर्स की चमक

नवी मुंबई। महाराष्ट्र 07 मार्च 2026 : अमेजन के सहयोग तथा लर्निंग लिंक्स फाउंडेशन के कार्यान्वयन में 7वें अमेजन थिंक बिग साइंस कार्निवल का आयोजन 6 मार्च 2026 को नवी मुंबई के वाशी स्थित CIDCO एग्ज़िबिशन सेंटर में सफलतापूर्वक किया गया। भारत सरकार के विकसित भारत 2047 के विजन के अनुरूप आयोजित इस कार्निवल ने छात्रों को विज्ञान, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और तकनीक के माध्यम से वास्तविक जीवन की पर्यावरणीय तथा सामाजिक चुनौतियों के समाधान प्रस्तुत करने के लिए अपने नवाचारों को प्रदर्शित करने का एक सशक्त और प्रेरणादायी मंच प्रदान किया। इस आयोजन में युवा प्रतिभाओं ने अपने अभिनव विचारों और प्रौद्योगिकी आधारित समाधानों के माध्यम से भविष्य की चुनौतियों से निपटने की दिशा में अपनी रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। पाँच महीनों की अवधि में तीन चरणों में आयोजित इस कार्निवल ने नवी मुंबई महानगरपालिका के स्कूलों के 12,000 से अधिक छात्रों को प्रभावित किया। कार्यक्रम का समापन एक भव्य फिनाले के साथ हुआ, जिसमें सबसे प्रतिभाशाली युवा नवाचारियों ने अपने विचारों और कार्यशील प्रोटोटाइप प्रस्तुत किए। ह्लसस्टेनेबिलिटी के लिए रळएटह्ल और टेक फॉर गुड जैसे विषयों के साथ आयोजित इस कार्निवल ने छात्रों को तकनीक को सकारात्मक बदलाव की एक सशक्त शक्ति के रूप में उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लर्निंग लिंक्स फाउंडेशन के मुख्य परिचालन अधिकारी, निखिल पिंगले, ने नगर निगम स्कूलों के छात्रों की क्षमता पर विश्वास जताने और इस मिशन को व्यापक स्तर पर समर्थन देने के लिए अमजोन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस पहल में निरंतर सहयोग के लिए नवी मुंबई म्यूनिसिपल कार्पोरेशन के प्रति भी अपनी कृतज्ञता प्रकट की। उन्होंने कहा कि छात्रों का आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प देखकर यह विश्वास और मजबूत होता है कि सही अवसर मिलने पर युवा प्रतिभाएँ असाधारण उपलब्धियाँ हासिल कर सकती हैं। उन्होंने छात्रों को जिज्ञासु बने रहने, चुनौतियों के प्रति दृढ़ रहने और वास्तविक दुनिया की समस्याओं के समाधान के लिए रळएट को एक सशक्त माध्यम के रूप में उपयोग करते रहने के लिए प्रेरित किया।

दुबई में फंसे 1,200 से अधिक मराठी पर्यटकों को IPF MahaHelpline की मदद

दुबई। दुबई में रह रहे मराठी प्रवासियों और समुदाय की सहायता के लिए शुरू की गई IPF MahaHelpline सेवा को, फिलहाल ईरान-अमेरिका संघर्ष के कारण उत्पन्न हुई यात्रा संबंधी बाधाओं के चलते दुबई में फंसे महाराष्ट्र के पर्यटकों के लिए एक विशेष हेल्पलाइन के रूप में सक्रिय किया गया है। इस हेल्पलाइन के शुरू होने के केवल एक दिन के भीतर ही 1,200 से अधिक प्रभावित यात्रियों से सहायता के अनुरोध प्राप्त हुए हैं, ऐसी जानकारी दुबई से इस पहल का नेतृत्व कर रहे राहुल तुळपुळे ने दी। महाराष्ट्र सरकार की मान्यता से शुरू की गई IPF MahaHelpline (+971 50 365 4357) सेवा यूएई के पाँच शहरों में कार्यरत 20 से अधिक स्वयंसेवकों की टीम के माध्यम से 24 घंटे संचालित की जा रही है। इस हेल्पलाइन के माध्यम से फंसे हुए यात्रियों को होटल में ठहरने की अवधि बढ़वाने, भोजन और दवाइयों की व्यवस्था, अस्थायी आवास, परिवहन सुविधा तथा भारतीय दूतावास से समन्वय जैसी विभिन्न प्रकार की सहायता प्रदान की जा रही है।

इसके अलावा, स्थानीय डॉक्टरों की सलाह और आवश्यक प्रिस्क्रिप्शन के माध्यम से जरूरी दवाइयां उपलब्ध कराने के लिए एक अलग चिकित्सा सहायता टीम भी कार्यरत है, जिससे यात्रियों का चल रहा इलाज बाधित न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है। हेल्पलाइन की टीम दुबई स्थित भारतीय दूतावास के साथ भी लगातार समन्वय बनाए हुए है। भारतीय राजदूत और कॉन्सुल जनरल से नियमित जानकारी प्राप्त की जा रही है और सत्यापित व अद्यतन जानकारी प्रभावित यात्रियों तक पेशेवर ढंग से संचालित व्हाट्सएप समन्वय समूहों के माध्यम से पहुंचाई जा रही है। 2 से 6 मार्च के दौरान दुबई के विभिन्न हवाई अड्डों से तथा ओमान के मस्कट से उपलब्ध उड़ानों के जरिए 500 से अधिक यात्री सुरक्षित भारत लौट चुके हैं।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण दुबई स्थित भारतीय कॉन्सुल जनरल तथा IPF MahaHelpline की प्रबंधन टीम के साथ लगातार संपर्क में हैं और इस संकट में फंसे यात्रियों की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। हेल्पलाइन के परिवहन समन्वयक प्रसाद पाटिल के नेतृत्व में फुजैराह और मस्कट जैसे वैकल्पिक प्रस्थान केंद्रों तक जाने वाले यात्रियों के लिए परिवहन की व्यवस्था की जा रही है। वहीं नीलम नांदेडकर और श्वेता करंदीकर के नेतृत्व में कार्यरत प्राथमिक सहायता टीम छोटे बच्चों, शिशुओं और वरिष्ठ नागरिकों वाले परिवारों को विशेष सहायता प्रदान कर रही है।

Ai+ Smartphone ने NovaPods और NovaWatch के साथ AIoT इकोसिस्टम लॉन्च किया

नई दिल्ली। Smartphone ने NovaPods और NovaWatch के साथ AIoT इकोसिस्टम में अपने विस्तार की घोषणा की। ब्रांड ने अपने नए स्मार्टफोन लाइनअप Pulse 2 और NovÔ 2 सीरीज की भी घोषणा की, जिसमें Pulse 2 का लॉन्च 2 मार्च को निर्धारित है, जिसके बाद NovÔ 2 सीरीज लॉन्च की जाएगी। भारत में तकनीक को अधिक सुलभ बनाने के Ai+ के मिशन के अगले चरण के रूप में प्रस्तुत Pulse 2 को सरल, स्मूथ और अधिक भरोसेमंद अनुभव देने के लिए डिजाइन किया गया है, वह भी किफायती कीमत पर। इसमें 50MP AI कैमरा और 8MP फ्रंट कैमरा दिया गया है, जो हर तरह की लाइटिंग में बेहतर फोटोग्राफी और परफेक्ट सेल्फी का अनुभव देगा। साथ ही इसमें पूरे दिन के उपयोग के लिए सबसे पतली 6000mAh बैटरी और Android 16 आधारित NxtQuantum OS प्री-इंस्टॉल मिलेगा। ऑडियो और वियरेबल्स सेगमेंट में यह कदम Ai+ के जुलाई 2025 में डेब्यू के एक साल से भी कम समय में उठाया गया है। इस दौरान ब्रांड ने लगभग दस लाख यूजर्स का आधार बना लिया है। ऑडियो और वियरेबल्स पोर्टफोलियो में दमदार डिजाइन भी देखने को मिलता है, जिसमें डीप मेटैलिक ब्लैक, फॉरेस्ट टोन, क्रोम एक्सेंट, पेस्टल और स्पोर्ट-प्रेरित रंग शामिल हैं, जो पूरे इकोसिस्टम को एक एकीकृत पहचान देते हैं।

वरिष्ठ शिक्षक ओमप्रकाश गुप्ता का सेवा संपूर्ति सम्मान समारोह

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भांडुप पश्चिम सुभाष नगर मनपा हिंदी स्कूल में वरिष्ठ शिक्षक ओमप्रकाश महावीर गुप्ता के सेवा संपूर्ति सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। लगभग सात सौ शिक्षकों और गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में उन्हें शाल, श्रीफल, पुष्पगुच्छ, भेंट वस्तु एवं मानपत्र प्रदान किया गया। समारोह में उनकी जीवन संगिनी निर्मलादेवी ओमप्रकाश गुप्ता का विशेष सत्कार किया गया। मुख्य अतिथि में नगरसेविका राजुलताई संजय पाटिल, माउंट मेरी इंग्लिश हाई स्कूल के चेयरमैन धनंजय टी. सिंह, पूर्व उपशिक्षण अधिकारी चंद्रकेश आय.सिंह, और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। प्रमुख वक्ताओं ने उनके योगदान और मार्गदर्शन की सराहना की। समारोह का आदर्श संचालन अवधेशनारायण आर. गिरि ने किया, मानपत्र वाचन राज प्रजापति ने और आभार प्रदर्शन ओमप्रताप जे. सिंह ने किया। शिक्षक एवं गीतकार संजय यादव ने भजन प्रस्तुत कर कार्यक्रम को मनोरम बनाया। श्री गुप्ता ने शिक्षा विभाग में 33 वर्ष, 2 माह और 7 दिन सेवा देने के बाद 1 मार्च, 2026 को सेवानिवृत्ति ली।

महाराष्ट्र बजट: संतुलित विकास की कोशिश: अक्षत खेतान

मुंबई। महाराष्ट्र के बजट 2026 को लेकर आर्थिक विश्लेषक अक्षत खेतान का मानना है कि यह बजट सामाजिक कल्याण और आर्थिक विकास के बीच संतुलन बनाने का प्रयास करता है। उनके अनुसार सरकार ने इस बार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने और बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दिया है। खेतान के मुताबिक, राज्य के दीर्घकालिक आर्थिक विकास के लिए इन क्षेत्रों में निवेश बेहद महत्वपूर्ण है। किसानों के लिए घोषित दो लाख रुपये तक की ऋण माफी को अक्षत खेतान ग्रामीण अर्थव्यवस्था को राहत देने वाला कदम मानते हैं। वे कहते हैं, जब किसानों पर कर्ज का दबाव कम होता है, तो उसका असर केवल खेती तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे ग्रामीण बाजार में मांग बढ़ने लगती है। उनके अनुसार इससे कृषि क्षेत्र में भरोसा और आर्थिक गतिविधियों में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकता है। महिलाओं के लिए जारी माझी लाडकी बहिन योजना को लेकर भी खेतान सकारात्मक रुख रखते हैं। उनके शब्दों में, ह्लमहिलाओं को सीधे आर्थिक सहायता देने वाली योजनाएँ केवल सामाजिक सुरक्षा प्रदान नहीं करतीं, बल्कि परिवारों की आर्थिक मजबूती में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उनका मानना है कि इस तरह की योजनाएँ खासकर ग्रामीण और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण सहारा बन सकती हैं।

बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिक विकास पर दिया गया जोर भी अक्षत खेतान के अनुसार राज्य की दीर्घकालिक आर्थिक रणनीति का अहम हिस्सा है। वे कहते हैं, ह्लयदि बुनियादी ढांचे और निवेश से जुड़े प्रोजेक्ट्स प्रभावी ढंग से लागू किए जाते हैं, तो महाराष्ट्र आने वाले वर्षों में देश की अग्रणी आर्थिक शक्तियों में अपनी स्थिति और मजबूत कर सकता है। कुल मिलाकर अक्षत खेतान के अनुसार महाराष्ट्र बजट 2026 तत्काल राहत देने के साथ-साथ राज्य की अर्थव्यवस्था को भविष्य में अधिक स्थिर और मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

वेदप्रकाश तिवारी का तिलक समारोह धूमधाम से संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति) जनपद जौनपुर विकास खण्ड गुलजार गंज, ग्राम मलसिल, पोस्ट मेंहदी निवासी प्रधानाचार्य राजेश कुमार तिवारी के सुपुत्र वेदप्रकाश तिवारी उर्फ शुभम (इंजिनियर) का तिलक महोत्सव 6 मार्च 2026 को बड़े धूमधाम से किया गया। जिसमें हजारों की संख्या में लोग उपस्थित थे। बता दें कि राजेश तिवारी शिक्षा जगत से जुड़े हुए हैं। वे जगदम्बा संस्कृति महाविद्यालय मलसिल के संचालक भी है। नेता, विधायक, शिक्षक गण की उपस्थिति सर्वोपरि था। तिलक ग्राम रानीपुर पोस्ट मड़ियाहूं जनपद जौनपुर अरविंद दुबे परिवार के द्वारा चढ़ाया गया। हर्षोल्लास और पारमंपरिक वैदिक रीति रिवाजों के बीच सकुशल पूर्वक संपन्न हो गया। इस अवसर पर प्रीतिभोज और आशीर्वाद समारोह में कई विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रहीं।

ग्राम परमा का पुरा निवासी अनिल दुबे दैनिक उत्तर शक्ति के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा से की मुलाकात

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंबई के नवासेवा के क्लियरिगं एजेंट व व्यवसायी अनिल दुबे मुम्बई से पधारे अपने मातृभूमि उत्तर प्रदेश जनपद प्रतापगढ़ , ग्राम परमा का पुरा (केवरा) पहुंचने के बाद दिनांक 6 मार्च 2026 को दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा का हालचाल और स्वस्थ के बारे जानकारी लेने उनके आवास जनपद जौनपुर विकास खंड मछली शहर, पोस्ट पवारा बाजार पहुंचने पर दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा से शुभेच्छा भेंट की। दिनांक 2 फरवरी 2026 को पैर और कमर में फ्रेक्चर होने के कारण तत्काल मुंगरा बादशाहपुर रुची अस्पताल में लाया गया। जहां से डॉ दीपक चौरसिया ने हालात को देखते हुए प्रयागराज रेफर कर दिया। प्रयागराज के प्रीती नर्सिंग होम में दिनांक 5 फरवरी को डॉ प्रमोद कुमार सिंह (पी के सिंह) आर्थो सर्जन ने सफल आप्रेशन किया। उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी लेने पहुंचे अनिल दुबे ने प्रेम चंद मिश्रा का हालचाल जाना तथा शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करें ईश्वर से प्रार्थना की।

महिला दिवस पर काशी में स्वास्थ्य का बड़ा अभियान

आज सिगरा स्टेडियम में 18 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं की नि:शुल्क स्तन कैंसर जांच

-सुरेश गांधी

वाराणसी। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वाराणसी में महिलाओं के स्वास्थ्य संरक्षण को लेकर एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। प्रधानमंत्री के ह्लस्वस्थ नारीझसशक्त परिवारह्ल अभियान से प्रेरित होकर 8 मार्च को सिगरा स्टेडियम में वृहद स्तन कैंसर स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में 18 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं की निःशुल्क जांच सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक की जाएगी।

यह विशेष कार्यक्रम स्वास्थ्य विभाग और आईटीवी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेश प्रसाद ने बताया कि इस अभियान के तहत महिलाओं में स्तन कैंसर की प्रारंभिक अवस्था में पहचान कर समय पर उपचार सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि ह्लस्वस्थ नारीझसशक्त परिवारह्ल अभियान के अंतर्गत 14 जनवरी से वाराणसी संसदीय क्षेत्र में महिलाओं की ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग का अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में थर्मल कैमरे और थर्मलिटिक्स सॉफ्टवेयर की मदद से स्क्रीनिंग की जा रही है। यह पूरी प्रक्रिया ह्लनो सी, नो टचह्ल पद्धति पर आधारित है, जिसमें महिलाओं की गरिमा और गोपनीयता का पूरा ध्यान रखा जाता है। इस तकनीक के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 800 से 900 महिलाओं की जांच की जा रही है। 6 मार्च तक करीब 36 हजार महिलाओं की स्क्रीनिंग की जा चुकी है।

जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने बताया कि महिलाओं में स्तन कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने और शुरूआती अवस्था में रोग की पहचान करने के उद्देश्य से यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिया है कि कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित की जाएं, ताकि अधिक से अधिक महिलाएं इस सुविधा का लाभ उठा सकें। मुख्य विकास अधिकारी प्रखर कुमार सिंह ने इसे महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने जनपद की महिलाओं से अपील की कि वे बड़ी संख्या में कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर निःशुल्क जांच का लाभ लें और अन्य महिलाओं को भी इसके लिए प्रेरित करें।

सीएमओ डॉ. राजेश प्रसाद के अनुसार स्तन कैंसर स्क्रीनिंग के लिए एआई आधारित थर्मल इमेजिंग तकनीक (थर्मलाइटिक्स) का उपयोग किया जाएगा। यह जांच पूरी तरह नॉन-इनवेसिव, रेडिएशन-फ्री और बिना संपर्क वाली पद्धति है, जिससे महिलाओं की सुरक्षित और सटीक जांच संभव हो सकेगी। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए विभिन्न विभागों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। नगर निगम वाराणसी कार्यक्रम स्थल पर साफ-सफाई और पेयजल की व्यवस्था करेगा, जबकि यातायात पुलिस पार्किंग और ट्रैफिक संचालन की जिम्मेदारी संभालेगी। स्वास्थ्य विभाग स्क्रीनिंग और चिकित्सकीय व्यवस्था करेगा, वहीं अग्निशमन विभाग सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करेगा। इसके अलावा स्मार्ट सिटी वाराणसी द्वारा कार्यक्रम स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। प्रशासन ने जनपद की महिलाओं से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाकर अपनी स्वास्थ्य जांच अवश्य कराएं, क्योंकि समय रहते जांच और जागरूकता ही स्तन कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है।

तुलसी पार्क बलरामपुर में भव्य होली मिलन कार्यक्रम, राधा-कृष्ण झांकी ने मोहा मन

-नान बाबू चौहान

बलरामपुर। नगर के तुलसी पार्क में भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि डॉ. धीरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ धीरू के नेतृत्व में किया गया। होली मिलन समारोह में भगवान राधा-कृष्ण की आकर्षक झांकी और रंग-बिरंगे सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। पूरे परिसर में होली गीतों की गूंज सुनाई देती रही, जिससे वातावरण पूरी तरह उत्सवमय बना रहा। कार्यक्रम में आए अतिथियों और कार्यकताओं के लिए भोजन और जलपान की भी विशेष व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में देवीपाटन मंदिर के महंत मिथलेश नाथ योगी तथा विरजानंद जी महाराज मौजूद रहे। इसके अलावा बलरामपुर सदर विधायक पलटू राम, तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ला, उतरौला विधायक रामप्रताप वर्मा, श्रावस्ती के पूर्व सांसद दद्दन मिश्रा और गैसड़ी के पूर्व विधायक शैलेश कुमार सिंह सहित कई गणमान्य लोग कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर भाजपा मीडिया प्रभारी डी.पी. सिंह, एमएलके पीजी कॉलेज बलरामपुर के प्राचार्य डॉ. जे.पी. पांडे, भाजपा जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा, अंशु माली, संदीप उपाध्याय, आरती तिवारी, भाजपा महिला मोर्चा की ललिता तिवारी, झुमा सिंह, साधना पांडे, मीरा सोनकर, रेशम सिंह समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और समाज में भाईचारे तथा विकास के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

नारंगी जेट्टी इलाके में बढ़ेंगी सुविधाएं, सड़क और जेट्टी के विकास कार्य का भूमि पूजन

विरार। विरार वेस्ट के नारंगी जेट्टी इलाके में यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए सड़क और जेट्टी से जुड़े विकास कार्यों का भूमि पूजन किया गया। भाजपा विधायक राजन नाइक की पहल पर इन कामों की शुरूआत हुई, जिससे वसई-विरार क्षेत्र के लोगों को हाईवे पर लगने वाले ट्रैफिक जाम से राहत मिलने की उम्मीद है। नारंगी जेट्टी से नारंगी-खरवदेशरी और जलसार के बीच रो-रो फेरी सेवा शुरू होने के बाद विरार से पालघर का सफर महज 15 से 20 मिनट में पूरा हो रहा है। इससे अहमदाबाद हाईवे पर लगने वाले ट्रैफिक जाम से काफी हद तक राहत मिली है और यात्रियों का समय भी बच रहा है। हालांकि, विरार से नारंगी जेट्टी तक जाने वाली सड़क की हालत खराब थी और जेट्टी को भी मरम्मत और पेंटिंग की जरूरत थी। इस समस्या को देखते हुए विधायक राजन नाइक ने राज्य के मत्स्य और बंदरगाह मंत्री नितेश राणे से चर्चा की। उनके सुझाव के बाद महाराष्ट्र मैरीटाइम बोर्ड ने इन विकास कार्यों के लिए फंड मंजूर किया। योजना के तहत जेट्टी तक जाने वाली सड़क को मजबूत करने के लिए 5 करोड़ 66 लाख रुपये और रो-रो जेट्टी की इपॉक्सी पेंटिंग व अन्य सुविधाओं के लिए 3 करोड़ 90 लाख रुपये मंजूर किए गए हैं। इन दोनों विकास कार्यों का भूमि पूजन विधायक राजन नाइक द्वारा किया गया। अधिकारियों के अनुसार, इन कामों को लगभग डेढ़ साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष व नगरसेविका प्रज्ञा पाटिल, विपक्ष के नेता मनोज पाटिल, भाजपा जिला महासचिव मनोज बारोट, समूह नेता अशोक शेलके, नगरसेवक गौरव राउत, शिवसेना नेता सुदेश चौधरी, नगरसेविका सान्वी येडे, नगरसेवक जितेश राउत, नगरसेवक रवि पुरोहित, नगरसेवक मेहुल शाह, मंडल अध्यक्ष विशाल राउत सहित कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। स्थानीय लोगों और यात्रियों ने इन विकास कार्यों के लिए फंड मंजूर करने पर राज्य मंत्री नितेश राणे और विधायक राजन नाइक का आभार व्यक्त किया।

ग्रामीण इलाकों के छात्रों के हित में RTE नियमों पर पुनर्विचार की मांग: हेमंत सांवरा

पालघर। पालघर लोकसभा क्षेत्र के पेरेंट्स-टीचर्स एसोसिएशन और स्थानीय नागरिकों ने महाराष्ट्र के स्कूल शिक्षा मंत्री Dadaji Bhuse से RTE के तहत शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए लागू किए गए नए नियमों पर पुनर्विचार करने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि नए नियमों के अनुसार छात्रों के एडमिशन के लिए 1 किलोमीटर के दायरे में आने वाले स्कूलों को प्राथमिकता दी जा रही है। साथ ही, निवास प्रमाण पत्र (रेजिडेंस सर्टिफिकेट) के सत्यापन की प्रक्रिया भी सख्त कर दी गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ये नियम शहरी क्षेत्रों के लिए तो फायदेमंद हो सकते हैं, लेकिन ग्रामीण इलाकों की परिस्थितियां अलग होती हैं। गांवों में स्कूलों के बीच दूरी अधिक होती है और कई जगहों पर परिवहन की पर्याप्त सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में कई छात्रों को अपनी पसंद के स्कूल में प्रवेश लेने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों की भौगोलिक स्थिति और संसाधनों को ध्यान में रखते हुए इन नियमों पर पुनर्विचार किया जाना आवश्यक है। पेरेंट्स-टीचर्स एसोसिएशन ने शिक्षा मंत्री से अनुरोध किया है कि फळए के नए नियमों में आवश्यक बदलाव किए जाएं, ताकि छात्रों की शिक्षा प्रभावित न हो और ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को भी बेहतर शैक्षणिक अवसर मिल सकें।

स्थानीय नागरिकों को उम्मीद है कि सरकार ग्रामीण छात्रों की शिक्षा को ध्यान में रखते हुए इस विषय पर सकारात्मक निर्णय लेगी।

वसई में जरूरी सड़क के काम के लिए 25 करोड़ रुपये मंजूर

वसई। वसई तालुका में बढ़ते शहरीकरण और वसई विरार म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन बनने के बाद भी, पिछले 15 सालों में, वसई विधानसभा विधायक स्नेहा ताई दुबे पंडित ने वसई में सड़कों और इंफ्रास्ट्रक्चर के डेवलपमेंट के लिए सेशन में लगातार सरकार से फॉलो-अप किया था, ताकि मेन सड़कों की खराब हालत और लोगों की परेशानी दूर हो सके। इसी के तहत, उन्होंने वसई में पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट के तहत आने वाले समय में अगाशी - वाटर - नाले - वाघोली - निर्मल वसई - पापड़ी-उमेला नायगांव-जूचंद्र बापने सड़कों पर जरूरत के हिसाब से डामर और कंक्रीटिंग की मांग पब्लिक वर्क्स मिनिस्टर शिवेंद्रराजे भोसले से की थी। इसके लिए उन्होंने मिनिस्ट्री में 3-4 बार मीटिंग की थीं। विधायक श्रीमती स्नेहा दुबे पंडित का लगातार प्रयास सफल रहा और लोक निर्माण मंत्री शिवेंद्रराजे भोसले ने वसई में इस सड़क के काम के लिए 25 करोड़ रुपये का कोष मंजूर किया है। मार्च 2026 के बजट वर्ष में, वसई तालुका में निम्नलिखित महत्वपूर्ण सड़कों के सुधार और विकास के लिए निधि मंजूर की गई है। स्वीकृत कार्य इस प्रकार हैं: रा.मा. 81 अगाशी-वी तार-नाले-वाघोली-निर्मल वसई-पापड़ी-उमेला नायगांव-जूचंद्र बापने रोड रा.मा. 83 किमी. 6/100 से 7/500 सुधार, (डामरीकरण और सीवर का निर्माण।) फंड: 1050.00 लाख इन कामों की वजह से वसई तालुका में ट्रांसपोर्ट सिस्टम ज्यादा सुरक्षित और आसान हो जाएगा। इसी प्रकार अन्य मार्गो के लिए भी आवंटित हुआ है। वसई तालुका के लोगों की सुविधा के लिए सड़क बनाने को प्राथमिकता देते हुए, वसई विधानसभा विधायक स्नेहा ताई दुबे पंडित ने सरकारी लेवल पर लगातार फॉलो-अप किया था। स्थानीय लोगों ने उनकी कोशिशों की सफलता पर खुशी जताई है। इस बारे में वसई विधानसभा की विधायक स्नेहा ताई दुबे पंडित ने महाराष्ट्र राज्य के लोकप्रिय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस साहब और पब्लिक वर्क्स मिनिस्टर शिवेंद्रराजे भोसले का दिल से शुक्रिया अदा किया है और भरोसा जताया है कि इन डेवलपमेंट कामों से वसई तालुका के इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट को जरूर नई रफ़्तार मिलेगी।